संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 335
पृष्ठ 8
शुक्रवार
29 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बैचलर पार्टी को इंजॉय करने के लिए..

विचार- उपराष्ट्रपति पद के विवाद, सरकार...

खेल- 'भारत कभी नहीं जीतेगा', पूर्व...

## जन धन योजना ने लोगों को दिया अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर गुरुवार को कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये श्री मोदी ने लिखा, ष्जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है। इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है। जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गईं। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं। उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण या अर्ध–शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, जो दिखाता है कि देश के दूर–दराज के इलाकों में रहने वाले वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय तंत्र से जोड़ा गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जन धन योजना न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे सफल वित्तीय समावेशन पहलों में से एक रही है। निरंतर प्रयासों से हम बैंक खातों में लगभग पूर्णता प्राप्त कर चुके हैं और देश भर में बीमा और पेंशन कवरेज में निरंतर वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने एक अभियान शुरू किया है जिसके तहत देश की 2.7 लाख ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक में कम से कम एक शिविर आयोजित कर उन पात्र व्यक्तियों की पहचान की जायेगी जो बैंकिंग सुविधा से वंचित हैं और जिनके जन धन खाते खुल सकते हैं। इस अभियान का समापन 30 सितंबर को होगा। जन धन योजना की खास बात यह है कि इसे खोलते समय कोई पैसा जमा करना जरूरी नहीं होता और न ही कोई न्यूनतम मासिक राशि रखनी होती है। प्रत्येक खाते के साथ एक निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड आता है, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करता है, जिससे डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। खाता धारक 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा के भी पात्र हैं, जो आपात स्थिति में सुरक्षा प्रदान करती है। पूरी तरह से केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) अनुपालन वाले जन धन खातों में शेष राशि या लेनदेन की राशि की कोई सीमा नहीं है। एक महीने में कम से कम चार बार निरूशुल्क निकासी की अनुमति है, जिसमें मेट्रो एटीएम सहित किसी भी एटीएम से निकासी शामिल है।जन धन योजना प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का आधार बन गयी है, जिससे सरकारी सब्सिडी और भुगतान का पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार–मुक्त वितरण संभव हुआ है।

## ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में 'सुगम्य व्यापार (प्राविधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' के प्राविधानों पर चर्चा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग है। साथ ही, यह भी उतना ही आवश्यक है कि औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधा की गारण्टी सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'श्रमेव जयते' के भाव को आत्मसात करते हुए हमें ऐसे सुधार करने होंगे, जो श्रमिकों और उद्यमियों, दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हों। मुख्यमंत्री ने विधेयक के नये प्राविधानों पर चर्चा करते हुए कहा कि अनावश्यक दण्डात्मक प्राविधानों को समाप्त कर, उनकी जगह पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू करना वर्तमान की जरूरत है। उन्होंने निर्देश दिए कि आपत्तियों और सुझावों पर गम्भीरता से विचार करते हुए विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए, जो उद्योग और श्रमिकों के हितों में संतुलन स्थापित करता हो। निरीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए स्व–सत्यापन और थर्ड पार्टी ऑडिट की प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। इन सुधारों से जहां उद्योगों का बोझ कम होगा, वहीं श्रमिकों का हित भी सुरक्षित होगा। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार शीघ्र ही 'सुगम्य व्यापार (प्राविधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' लाने जा रही है। इसके अन्तर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा निस्तारण अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा। इनमें जहाँ पहले कारावास की सजा का प्राविधान था, वहां अब अधिक आर्थिक दण्ड व प्रशासनिक कार्रवाई को वरीयता देने की योजना है। प्रधानमंत्री के रिफॉर्म, परफॉर्म एवं ट्रांसफॉर्म के मंत्र के अनुरूप मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में औद्योगिक व श्रम सुधारों की दिशा में बड़े कदम बढ़ाए हैं।

### बॉम्बे उच्च न्यायालय में 14 अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 14 अधिवक्तताओं को बॉम्बे उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है। विधि और न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये नियुक्ति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद की गयी हैं। राष्ट्रपति ने जिन अधिवक्ताओं को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है उनमें सिद्धेश्वर सुंदरराव थोम्ब्रे , मेहरोज अशरफ खान पठान, रणजीतसिंह राजा भोंसले, नंदेश शंकरराव देशपांडे, अमित सत्यवान जामसंदेकर , आशीष सहदेव चव्हाण, संदेश दादासाहेब पाटिल, श्रीमती वैशाली निम्बाजीराव पाटिल–जाधव, आबासाहेब धर्मजी शिंदे, श्रीराम विनायक शिरसाट, हितेन शामराव वेनेगावकर , फरहान परवेज़ दुबाश , रजनीश रत्नाकर व्यास और राज दामोदर वाकोडे शामिल हैं।

### कर्नाटक में भारी बारिश; बीदर सबसे ज्यादा प्रभावित, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी

बीदर। उत्तर के पहाड़ी राज्यों से लेकर दक्षिण के समुद्र तटीय इलाकों तक पूरा भारत इन दिनों बारिश की चपेट में है। जहां जम्मू–कश्मीर और हिमाचल जैसे राज्य भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं का सामना कर रहे हैं, वहीं दक्षिण के कर्नाटक और तमिलनाडु में भी भारी बारिश जारी है। इसी तरह कर्नाटक के कई हिस्सों में गुरुवार सुबह से हो रही तेज बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। इसे लेकर, भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं हालात को देखते हुए प्रशासन ने कई जिलों में स्कूल–कॉलेजों की छुट्टी घोषित की है। लगातार हो रही बारिश के चलते कर्नाटक का बीदर जिला सबसे प्रभावित है। यहां के औरद तालुक में रातभर हुई बारिश से नाले उफान पर हैं। भालकी तालुक में ददागी पुल पर पानी भर जाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जिसके बाद, बीदर की उपायुक्त शिल्पा शर्मा ने सुरक्षा उपाय के तौर पर प्रभावित इलाकों के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी। वहीं, दक्षिण कन्नड़ जिले में भी हालात ठीक नहीं है। आईएमडी ने यहां के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके चलते मंगलुरु, पुत्तूर, मूडबिद्री, उल्लाल और बंटवाल तालुकों के सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार वाली हवाओं के साथ गरज–चमक और बारिश हो सकती है। येलो अलर्ट उडुपी, विजयपुरा, बागलकोट, कलबुर्गी और बिदर जिलों में जारी है।

### बिल पर राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकते राज्य, केंद्र की दलील

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकारें उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका (मामला) नहीं कर सकतीं जो राष्ट्रपति या राज्यपाल ने विधानसभा से पास हुए विधेयकों पर लिया हो, चाहे राज्य यह कहे कि इससे लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कही। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दायर कर सकती हैं।

**बिहार चुनाव: 65 लाख गरीबों के मताधिकार पर संकट?**

## राहुल गांधी बोले- भाजपा-ईसी का पर्दाफाश!

सीतामढ़ी, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार की मतदाता सूचियों से 65 लाख गरीब और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत सीतामढ़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग को अपने वोट का अधिकार ''छीनने'' की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, ''हमने भाजपा और चुनाव आयोग का पर्दाफाश कर दिया है, जो वोट चुराने में लिप्त थे... उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में ऐसा किया। अब वे इसे बिहार में दोहराना चाहते हैं, जो हम उन्हें नहीं करने देंगे।'' राहुल ने दावा किया कि आने वाले महीनों में वह ''वोट चोरी'' के बारे में और सबूत पेश करेंगे। रैली से पहले उन्होंने इलाके के प्रसिद्ध जानकी मंदिर में दर्शन किए और पूजा–अर्चना की। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इससे एक दिन पहले बिहार के कटिहार में राहुल गांधी अपनी पतलून ऊपर चढ़ाए पानी से भरे एक खेत में उतरे और झुककर गंदे पानी से मखाने की फलियाँ तोड़ने लगे। उनके आस–पास किसान मखाने की खेती की कठिन प्रक्रिया का प्रदर्शन कर रहे थेकृयह काम लगभग पूरी तरह से नदी किनारे बसे गरीब समुदायों द्वारा किया जाता है। राहुल ने सवाल पूछे, ध्यान से सुना, गंभीरता से सिर हिलाया और तुरंत महसूस किया कि किसान अपनी इतनी मेहनत के बावजूद मुख्य लाभार्थी नहीं थे। बाद में उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें लिखा थारू ष्मखाना बिहार के किसानों की पसीने और मेहनत की उपज है। यह हज़ारों में बिकता है, लेकिन उनकी कमाई चंद पैसों की होती है जबकि सारा मुनाफ़ा बिचौलियों को जाता है।

### जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी : ममता बनर्जी

कोलकाता। बिहार के बाद अन्य राज्यों में गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष इसे लेकर लगातार मोदी सरकार और चुनाव आयोग का विरोध कर रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने खुले शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से पश्चिम बंगाल में 500 से ज्यादा टीमें तैनात की हैं। रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब आपको खुद जांच करनी होगी कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। आगे बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगालियों द्वारा निभाई गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है।

### विधानसभा में दोबारा पेश हो सकता है धर्मांतरण विधेयक, मंत्री ने दिए बड़े संकेत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को कहा कि 1 सितंबर से शुरू होने वाले राजस्थान विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में धर्मांतरण, विश्वविद्यालयों और विधायकों की पेंशन संबंधी कानून में संशोधन सहित कई प्रमुख विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने और जनहित के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। राजस्थान के मंत्री पटेल ने एएनआई को बताया कि 1 सितंबर से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा। इस संबंध में अध्यक्ष ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है ताकि जनहित में उत्पादक कार्य, बहस और मुद्दों के समाधान पर चर्चा की जा सके।

### मोदी ने अमेरिकी कपास पर आयात शुल्क हटाकर किसानों को दिया धोखा : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से आने वाली कपास पर आयात शुल्क हटाकर किसानों के साथ बड़ा धोखा दिया है। श्री केजरीवाल ने आज संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि अमेरिका से जो कपास भारत आता है उस पर 11 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाई जाती थी जिसे मोदी सरकार ने हटा दिया। उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा पहले जब 11 प्रतिशत शुल्क लगाया जाता था तब उसके मुकाबले भारतीय कपास सस्ती पड़ती थी लेकिन शुल्क हटाने के बाद भारतीय कपास के मुकाबले अमेरिकी कपास सस्ती मिलेगी। शुल्क हटाने के बाद अमेरिकी कपास भारतीय कपास के मुकाबले 15 से 20 रुपये प्रति किलो तक सस्ती हो जायेगी इससे भारतीय किसानों का माल नहीं बिकेगा। यह किसानों के साथ बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि यह शुल्क फिलहाल 40 दिनों के लिए हटाई गई है जबकि हमारे किसानों का कपास तैयार होकर अक्टूबर तक बाजार में आयेगा। भारतीय कपास के बाजार में आने से पहले 30 सितंबर तक टेक्सटाइल उद्योग कपास ख़रीद चुकी होगी। उन्होंने कहा कि जब भारतीय किसानों का कपास बाज़ार में आयेगा तो उसे कोई ख़रीदार नहीं मिलेगा और किसानों को औने पौने दामों में अपना माल बेचना पड़ेगा।

## एस० डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स के बी०कॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में सभी छात्र रहे सफल

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा बी०कॉम० द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस० डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर के बी०कॉम० द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा । विद्यार्थीयों के इस प्रदर्शन पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थीयों को प्राचार्य डा० सचिन गोयल एवं विभागाध्यक्ष डा० रवि अग्रवाल द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थीयों ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता–पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया। बी0कॉम चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में रचना 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, सुहाना बतुल ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा सानिया खान

ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। बी0कॉम द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में अपर्णा सिंह 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, साक्षी ने 80.56 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा आरव कक्कर ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा० रवि अग्रवाल व सभी शिक्षकों ने विद्यार्थीयों को शुभकामनाएं दी और उनको भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति करने हेतु प्रेरित किया और कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनके जीवन का एक लक्ष्य होता है व अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए सच्चा दृढ़ संकल्प लेते हैं तथा इसके लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं। प्राचार्य डा0 सचिन गोयल ने इस अवसर पर कहा कि महाविद्यालय में सभी विद्यार्थीयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ–साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सभी प्रकार की तकनीकी, सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का वातावरण भी उपलब्ध कराया जाता है जिससे की विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर सके। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय से डा० माधुरी अरोरा, डा० मानसी अरोरा, डा० नवेद अख्तर, डा० रिंकु एस० गोयल, डा० जगमोहन सिंह जादोन, प्रशान्त, डा0 सुरेश चन्द शुक्ला, डा० अजय महेश्वरी, अमन वर्मा, प्राची चौधरी, रोहित पाल, कमर, अंकित धामा, संकेत जैन व नितिन गोयल आदि मौजूद रहे।

## जिला पत्रकार स्थाई समिति की बैठक संपन्न

प्रयागराज। जिला पत्रकार स्थाई समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई, जिसमे पत्रकारों की सुरक्षा, चिकित्सा, व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। जिलाधिकारी प्रयागराज ने पूरी तरह से पत्रकारों को सुरक्षा, चिकित्सा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। समिति के सचिव सहायक सूचना निदेशक इन्द्रमणि पाण्डेय ने पत्रकारो (जिला पत्रकार स्थाई समिति के सदस्यों) का परिचय जिलाधिकारी

से कराकर कार्यक्रम का शुभारभ किया। कार्यक्रम में पत्रकारो और जिला प्रशासन में सौहार्द पूर्ण वातावरण बनाने और एक दूसरे में समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई और एक दूसरे से समन्वय स्थापित करने के दोनो ओर से आश्वासन दिया गया। जिलाधिकारी ने सचिव सहायक सूचना निदेशक प्रयागराज को निर्देशित किया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखकर उन्हें अस्पतालों में प्राथमिकता के अधिकार पर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराया जाय तथा सभी परगना मजिस्ट्रेट (एस.डी.एम.)अपने क्षेत्र में रहने वाले पत्रकारों की सूची बनाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। समिति के सदस्यों द्वारा उठाये गए हर सवाल को स्वीकार करते हुए जिलाधिकारी ने उस पर कार्यवाही करने का आश्वासन देते कहा कि पत्रकारो की सुरक्षा के लिए हम सदैव तैयार हैं, सुरक्षा सुनिश्चित करेगे।

## राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन 31 अगस्त को

### सिद्धपीठ खेरेश्वर धाम में जुटेंगे देश भर के पत्रकार

अलीगढ़। भगवान शिव के आलौकिक स्वरूप के प्रतिबिंब और संगीत सम्राट स्वामी हरिदास जी की जन्मस्थली सिद्धपीठ श्री खेरेश्वर धाम अलीगढ़ पर आगामी 31 अगस्त को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन में देश भर के पत्रकार जुटने जा रहे हैं। उक्त जानकारी देते हुए पत्रकार सम्मेलन के मुख्य संयोजक डॉ पंकज धीरज (निदेशक डीएमजी न्यूज़ नेटवर्क) ने बताया कि विराट मेला देवछट में स्वामी हरिदास नाट्यशाला पर यह राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन 31 अगस्त, रविवार को अपराह्न 02 बजे आयोजित किया जाएगा। जिसमें लोकतंत्र के चारो स्तंभों की सहभागिता के रूप में

विभिन्न समाचार पत्रों के समूह संपादक, पत्रकार, विधायिका प्रतिनिधि, न्यायपालिका प्रतिनिधि, कार्यपालिका प्रतिनिधि आदि गरिमा बढ़ाएंगे। वहीं पत्रकार सम्मेलन के संयोजक मुकेश कुमार सिंह ( प्रधान संपादक अलीगढ़ सम्राट समाचार पत्र) ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन में आयोजन समिति की ओर से ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन, भारत के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न, मुकेश वत्स ( सीईओ– पब्लिक एशिया न्यूज नेटवर्क), सौरभ वार्ष्णेय ( प्रधान संपाद– श्रीजी एक्सप्रेस समाचार पत्र समूह), मुकेश गोयल ( कार्यकारी संपादक – डेली हिन्दू समाचार पत्र), योगेश भारद्वाज ( प्रधान संपादक– टाइगर कमांड न्यूज), अवनीश कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय सचिव – राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद) आदि के साथ मंडलायुक्त अलीगढ़ मंडल, जिलाधिकारी अलीगढ़, डीआईजी अलीगढ़, एसएसपी अलीगढ़, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सहायक सूचना निदेशक और उप्र सरकार के मंत्री, सांसद, मेयर, एमएलसी, विधायक सहित कई जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

# बाढ़ से नष्ट हुई फसल और मकान, कर्ज के जाल में फंसे किसान को मुआवजे की आस

प्रयागराज। सैदाबाद हर साल की तरह गंगा की बाढ़ के चलते लगभग एक दर्जन गांवों के किसानों की खरीफ की फसल नष्ट हो गई है। सरकारी कर्मचारियों की लापरवाही व कृषि बीमा न होने के कारण किसानों को मुआवजे से वंचित रहना पड़ता है। किसान की मूलभूत आवश्यकता फसल नष्ट हो जाने से पूरी नहीं हो पाती ही। कर्ज लेकर किसान खेती करता है। पशुओं से बोई गई फसलों की सुरक्षा के लिए दिन रात पशुओं के पीछे दौड़ता है। फिर भी उसकी फसल नष्ट हो जाती ही। पशुओं से नुकसान होने के बाद थोड़ी बहुत फसल किसानों को मिल जाती है लेकिन गंगा में आई बाढ़ पूरी फसल नष्ट कर देती है।

खेती के बल पर बेटी के हाथ पीले करने के सपने देख रहे किसान को मायूसी ही मिलती है। खेती के लिए साहूकारों से कर्ज लेकर किसान फसलों की बोआई करता है लेकिन फसल बर्बाद होने से कर्ज के जाल में फंसता जाता है। नतीजन किसान आत्महत्या जैसे कोई आत्मघाती कदम उठाने से नहीं चूकता है। बाढ़ से क्षेत्र के किसानों की 60 से 100 प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गईं हैं। इससे किसान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और इसका असर रबी फसलों की बुआई पर भी पड़ेगा। कई किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन बाढ़ से प्रभावित लोगों को ही मुआवजा नहीं दिला रहा है। प्रशासन का यह रवैया किसानों के हित में नहीं है। किसानों ने मांग की कि जल्द से जल्द सर्वे कराकर सभी प्रभावित किसानों को मुआवजा व आर्थिक सहायता दिलाई जाए। बाढ़ का पानी उतरने के साथ ही प्रभावित इलाकों में जहां डायरिया का खतरा बढ़ गया है, वहीं जहां–तहां जमे पानी में डेंगू के मच्छर पनप रहे हैं। इससे जलजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।प्रशासन का दावा है कि वह अपने स्तर से छिड़काव व फॉगिंग करवा रहा है, लेकिन यह तैयारी मुकम्मल नहीं है। क्षेत्र का बढ़ौली, गनेशीपुर गांव के मजरा झलाई का पूरा, बहादुरपुर ब्लाक का धोकरी, संग्रामपट्टी गांव में बाढ़ का पानी गांवों व खेतो में पहुंच गया था। कछार में बोई गई फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इलाके की स्थिति

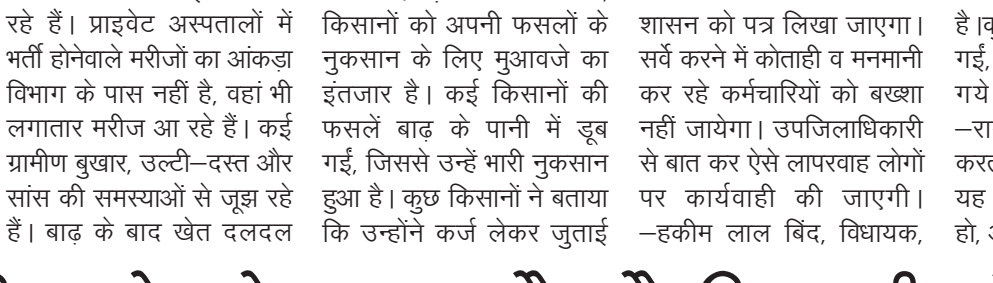

अब भी खराब है। छिड़काव न होने से डेंगू के मच्छर दिन में ही काटते हैं। ये मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। जबकि दूषित पानी या बासी खाना से टाइफाइड जैसी बीमारियां हो रही है। सर्दी–खांसी व तेज बुखार की शिकायत लेकर लगातार मरीज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व निजी चिकित्सकों के पास इलाज करा रहे हैं। प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती होनेवाले मरीजों का आंकड़ा विभाग के पास नहीं है, वहां भी लगातार मरीज आ रहे हैं। कई ग्रामीण बुखार, उल्टी–दस्त और सांस की समस्याओं से जूझ रहे हैं। बाढ़ के बाद खेत दलदल में तब्दील हो गए हैं। किसान और उनके परिवार मजबूरी में इन खेतों में काम कर रहे हैं। सड़न से मिट्टी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। कई खेतों में धान की पत्तियां पीली पड़ गई हैं। पौधे गलकर गिर रहे हैं। कीटनाशक और खाद डालने के बावजूद किसानों को राहत नहीं मिल रही है। नमी और गर्मी के कारण सड़न का प्रभाव बना हुआ है।फसल खराब होने से उनकी परेशानी और बढ़ सकती है। किसानों ने प्रशासन से नालियों की सफाई, जल निकासी की व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविर और मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और बिगड़ सकती है। किसानों को है मुआवजे का इंतजार बीते कई सालों से बाढ़ से प्रभावित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। कई किसानों की फसलें बाढ़ में डूब गईं, लेकिन उन्हें अभी तक सरकार से कोई मुआवजा नहीं मिला है।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, किसानों को अपनी फसलों के नुकसान के लिए मुआवजे का इंतजार है। कई किसानों की फसलें बाढ़ के पानी में डूब गईं, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। कुछ किसानों ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर जुताई और बुवाई की थी, लेकिन बाढ़ ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। सैदाबाद में तैनात नायब तहसीलदार राजेश बिंद ने बताया कि पीड़ित किसानों को सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाएगा।सर्वे कराकर किसानों की फसलों के हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। राहत सामग्री का भी नहीं हुआ न्यायपूर्ण वितरण बाढ़ पीड़ितो के लिए आई राहत सामग्री वितरण में पीड़ितों ने भेदभाव का आरोप लगाया है। कई ग्रामीणों ने बताया कि सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी गई राहत सामग्री का वितरण पक्षपातपूर्ण तरीके से किया गया है। बताया कि अगले साल गांवों में चुनाव होने है। सरकारी राहत सामग्री का वितरण कर कई लोग नेतागिरी चमकाने में लगे थे इस कारण बाढ़ पीड़ितो में राहत सामग्री का वितरण ठीक प्रकार से नहीं हो पाया है। पीड़ित ग्रामीणों ने ऐसे लोगों पर कार्रवाई की मांग की ही।

सरकारी अधिकारियों व शासन को पत्र लिखा जाएगा। सर्वे करने में कोताही व मनमानी कर रहे कर्मचारियों को बख्शा नहीं जायेगा। उपजिलाधिकारी से बात कर ऐसे लापरवाह लोगों पर कार्यवाही की जाएगी। –हकीम लाल बिंद, विधायक, हंडिया

ऐसी जानकारी मिली है कि बाढ़ प्रभावित फसलों का कंपनिया बीमा नहीं कर रही है उसपर कार्रवाई की जाएगी। किसानों की हर संभव सहायता व मुआवजा मिलेगा। मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि किसानों को जल्द राहत प्रदान की जाए। –दीपक पटेल, विधायक, फुलपुर

गांव में बाढ़ आने पर कई लोग सड़क पर डेरा डाले हुए थे। अब जब पानी उतर गया है और वे घर लौटे हैं, तो खाने–पीने की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्हें अभी तक कोई राहत सामग्री नहीं मिली है। –अवधेश यादव, समाजसेवी राशन वितरण में भेदभाव किया है।पीड़ितों के बजाय अपने चहेतो को स्थानीय नेताओ ने राहत सामग्री का वितरण किया था,जो न्यायपूर्ण नहीं था। –सौरभ यादव, समाजसेवी बाढ़ से प्रभावित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। कई किसानों की फसलें बाढ़ में डूब गईं, लेकिन उन्हें अभी तक सरकार उनकी कोई भी सुधि नहीं ले रही है। यदि हमारी सरकार होती तो जनता को इतना तकलीफें ना उठानी पड़ती। –गौरव यादव, नेता कांग्रेस

बाढ़ की विभीषिका, बादलों की बारिश के कहर से न केवल मानव जाति के मुँह का निवाला छिना है अपितु पालतू पशुओं पर भी इसका भयावह प्रभाव है।कुटिया बह गईं, दीवारें ढह गईं, गरीबों के आशियाने उजड़ गये।खेती बारी डूब गई। –रामसुमेर आर्य करुण क्रन्दन करती हुई जनता की शासन से यह गुहार है कि जो भी सम्भव हो, अपेक्षित मदद के साथ साथ किसानों का बकाया ऋण एवं बिजली विभाग का बकाया बिल एवं दण्ड राशि आदि माफ किया जाये।जिससे जनता राहत की सांस ले सके। –अक्षय यादव, क्रांतिवीर कांग्रेस नेता बढ़ौली ग्राम सभा की पुलिया थोड़ा सा सी पानी बढ़ता है तो पूर्ण रूप से डूब जाती है । लगभग हर वर्ष इस समस्या से हमारा ग्राम ही नहीं अपितु कई गांव परेशान होते है। हमने शीर्ष नेतृत्व व जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत भी कराया है कि इस पुलिया को लगभाग 10 फीट और ऊंचा किया जाए, जिससे बाढ़ आने पर यात्रा और जनजीवन पर प्रभाव न हो ।जो मार्ग है वह सुचारू रूप से चालू रहे अन्यथा बाढ़ आने की स्थिति में नाव से आवागमन ही मात्र एक सहारा होता है,उसमें भी खतरा रहता है। –प्रभाकर द्विवेदी, भाजपा नेता फसलों के डूब जाने पर शासन की तरफ से अभी तक किसानों की कोई सुनवाई नहीं है। बाढ़ में प्रशासन भी आकर खानापूर्ति कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्ति पा लेते हैं। वैसे भी गंगा जी के किनारों के गांव में मुख्यालयों से अंतिम छोर पर हैं। विकास के कार्य के लिए तरसते रहते हैं। आशा है शासन और प्रशासन आने वाले समय में हम सब की समस्या का स्थाई समाधान निकलेगा। –अमरजीत यादव समाजसेवी बढ़ौली गांव में बाढ़ में नष्ट हुई फसलों का फौरी सर्वे कराकर मुआवजा दिलाया जाय। बाढ़ से विस्थापित परिवारों को शासन से मदद दिलाए ।बाढ़ से कटान भारी मात्रा में होता है। कटान से ग्राम पंचायत की एक बड़ी आबादी जद में आती है। कटान से बचाव हेतु स्थाई निदान किया जाय। –अजय कुमार दूबे, क्षेत्र पंचायत सदस्य

# 24 घंटे में पुलिस के हत्थे चढ़ा हाथ–पैर और सिर कटी लाश फेंकने वाला, बताया कहां फेंके थे शव के हिस्से

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में औद्योगिक क्षेत्र में सरस्वती हाईटेक सिटी के करीब कुरिया यादव बस्ती के पास नाले में सिर कटी लाश मिलने के चौबीस घंटे के अंदर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लाश फेंक कर भागने वाले स्कूटी सवार की पहचान कर ली है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। मृत लड़के की पहचान करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर के 17 वर्षीय पीयूष सिंह उर्फ यश के रूप में पहचान हुई है।

हत्यारोपी यश का पड़ोसी शरण सिंह नामक व्यक्ति बताया जा रहा है। हालांकि अभी वीभत्स हत्या के पीछे वजह स्पष्ट नहीं है। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने हत्यारोपी की निशानदेही पर यश का सिर भी बरामद कर लिया है। उधर, घटना की जानकारी से गुस्साए लोगों ने करेली थाने पर घेराव किया और हत्यारोपी को फांसी देने की मांग की। कुरिया यादव बस्ती के पास मंगलवार दोपहर लगभग ढाई बजे एक स्कूटी सवार आया ओर पॉलीथीन में सिर, हाथ व पैर कटी लाश फेंक कर भाग गया था। वहीं पास में भैंस चरा रही एक बुजुर्ग महिला के शोर मचाने पर ग्रामीणों और पुलिस को जानकारी हुई। लाश को कब्जे में लेकर पुलिस ने आईट्रिपलसी की मदद से घटनास्थल से लेकर अरैल बंधा रोड और नैनी पुराने पुल तक सीसीटीवी फुटेज खंगाली।

घटनास्थल से कुछ दूर पहले एक कैमरे की फुटेज में स्कूटी सवार अधकटी लाश को कपड़े में लपेटकर स्कूटी के आगे फुट रेस्ट पर रखकर ले जाते दिखा है। पुलिस ने स्कूटी के नंबर के आधार पर आरोपी

करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर के शरण सिंह को हिरासत में लेने के बाद शव के अन्य हिस्सों को भी बरामद कर लिया है। पुलिस के आलाधिकारियों ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

पड़ोसी ने ही की यश की निर्मम हत्या, घेरा थाना

औद्योगिक क्षेत्र के कुरिया यादव बस्ती के पास नाले में मिली सिर कटी लाश की पहचान यश के रूप में होने पर मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। मां बेसुध हो गई। पीयूष सिंह उर्फ यश मंगलवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। जब मोहल्लेवालों को यह जानकारी हुई कि यश की हत्या करने वाला और शव के टुकड़े कर नाले में फेंकने वाला शख्स पड़ोसी शरण सिंह है तो आक्रोश फैल गया। लोगों ने हत्यारोपी को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की। देर रात बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए। हंगामा करने लगे।

करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर का यश कक्षा 11वीं का छात्र था। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है। यश मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे स्कूल जाने के लिए निकला था। लेकिन, देर शाम तक घर नहीं लौटा। यश की मां कामिनी सिंह ने करेली थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। बुधवार देर शाम परिजनों को यश की हत्या होने की जानकारी मिली। देखते ही देखते बड़ी संख्या में आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों को जब मालूम चला कि हत्या में पड़ोसी शरण सिंह की संलित्तता है, तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

लोगों ने हत्यारोपी को फांसी की सजा दिलाने की मांग की। यश की मां कामिनी सिंह व परिवार के अन्य सदस्यों ने बताया कि हत्यारोपी अपराधी प्रवृत्ति का आदमी है। वह तंत्र–मंत्र भी करता है। लोगों ने तंत्र–मंत्र के चक्कर में यश की निर्मम हत्या कर शव के कई टुकड़े करने की आशंका व्यक्त की।

कुरिया यादव बस्ती के पास मिले सिर कटे शव की चौबीस घंटे बाद शिनाख्त हो गई। पुलिस ने हत्यारोपी को हिरासत में ले लिया है। हालांकि अभी तक वीभत्स हत्या की वजह का खुलासा नहीं हुआ है। लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर यश की हत्या क्यों की? शव के कई टुकड़े जगह जगह क्यों फेंका गया? मृतक के परिजनों व मोहल्ले वालों ने कहा कि पुलिस ने अब तक कुछ नहीं बताया है। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी व आरी भी बरामद कर ली है। हालांकि पुलिस अभी कुछ भी बताने से इनकार कर रही है।

## फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर देवर ने की अश्लीलता

प्रयागराज। फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर महिला और उसके परिवार वालों के बारे में अश्लील व अभद्र कमेंट किए जा रहे हैं। महिला ने खुल्दाबाद थाने में अपने देवर के ही खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खुल्दाबाद निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया कि उसके देवर से उनका लगभग 15 वर्षों से कोई नाता नहीं है। आरोप है कि वह एक महिला के नाम से फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर महिला व परिवार के बारे में अश्लील व अभद्र कमेंट व पोस्ट कर रहा है। इससे महिला और उनके परिवार को सामाजिक व मानसिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि लगभग सात–आठ माह से लगातार सिलसिला चल रहा है।

## पहले दोस्तों को भेजा मैसेज, फिर कर ली आत्महत्या

प्रयागराज। करेली के जीटीबी नगर में दोस्तों को मैसेज करने के बाद एक युवक ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। मृतक के माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वह गन्ने का कारोबार कर अपनी एक छोटी बहन व दो भाइयों का पालन–पोषण करता था। युवक की मौत से तीनों के सिर से भाई का भी साया उठ गया। आत्महत्या की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी। करेली के जीटीबी नगर निवासी 20 वर्षीय बिलाल खान ने मंगलवार की रात दोस्तों को एक मैसेज करने के बाद कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। मैसेज देखकर दोस्त घर पहुंचे और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूत्रों की माने तो उसने दोस्तों को मैसेज किया था कि उनके बहन भाइयों का ध्यान रखना और हमें माफ करना। हालांकि उसने आत्महत्या क्यों कि पुलिस को पता नहीं चल सका है। पुलिस मृतक के दोस्तों व परिजनों से पूछताछ की। वहीं बिलाल के मोबाइल की भी जांच की जा रही है।

## शिक्षक दिवस पर पुरस्कृत करने को मांगे आवेदन

प्रयागराज। पांच सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले शिक्षक दिवस समारोह में जिले के परिषदीय विद्यालयों में विशिष्ट सेवा दे रहे शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

इसके लिए सभी शिक्षकों से https://forms-gle/iQtVNi3Z6PBNYy62A पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपरोक्त लिंक के माध्यम से सभी शिक्षकों को अपना विवरण भरकर एक सितंबर तक जमा करना है। बीएसए देवब्रत सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है अपने विकास खंड के अधिक से अधिक शिक्षकों को पुरस्कार के लिए फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करें।

# मार्ग हुआ जलमग्न, नाव से ले जा रहे शव

प्रयागराज। गंगा का जलस्तर बढ़ने से अंतिम संस्कार की डगर भी मुश्किल हो गई है। रसूलाबाद श्मशान घाट के मार्ग पर तीन फीट से अधिक पानी है। दारागंज में एकबार फिर ढाल की सड़क पर पर अंतिम संस्कार हो रहा है। झूंसी के छतनाग और नैनी के देवरस में श्मशान घाट सिमट गया है। गंगा का जलस्तर बढ़ता रहा तो रसूलाबाद घाट पर अंतिम संस्कार भी रोका जा सकता है। श्मशान घाट के मार्ग पर बाढ़ का पानी आने के बाद अब नावों से शव लेकर जा रहे हैं। नाव पर मृतक के परिजन ही अंतिम संस्कार में शामिल हो रहे हैं।

श्मशान घाट के संचालक जगदीश त्रिपाठी ने बताया कि बाढ़ के बाद कम शव आने लगे हैं। मंगलवार को 20 से अधिक शव अंतिम संस्कार के लिए घाट पर लाए गए। बुधवार को शाम तक सिर्फ छह शवों का अंतिम संस्कार हो सका। जगदीश बताते हैं कि इसी तरह गंगा का जलस्तर बढ़ता रहा तो श्मशान घाट के चबूतरे पर पानी भर जाएगा और अंतिम संस्कार रोकना पड़ेगा। दारागंज श्मशान घाट का पुराना स्थल बाढ़ में डूबने के बाद तीन दिन से सड़क पर अंतिम संस्कार हो रहा है। झूंसी के छतनाग और नैनी के देवरस श्मशान घाटों पर जगह कम पड़ने की वजह से सीमित स्थान पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। बाढ़ की वजह से दारागंज, छतनाग और देवरस घाट पर अंतिम संस्कार के लिए लोगों को घंटों इंतजार भी करना पड़ रहा है।

## रज्जू भय्या विवि में काव्य लेखन, निबन्ध और चित्रकला प्रतियोगिता

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में गुरुवार को दीक्षोत्सव के अन्तर्गत काव्य लेखन, निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से कार्यक्रम समन्वयक, डीन विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

संयोजिका डॉ. अलका मिश्रा ने सभी का स्वागत किया। विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने तीनों प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। काव्य लेखन, निबन्ध तथा चित्रकला प्रतियोगिता में संयुक्त रुप से लगभग दो सौ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता आयोजन समिति से जुड़े सदस्य शिक्षक सह संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. शालिनी दुबे, डॉ. प्रिया झा, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. राहुल श्रीवास्तव, डॉ. लवकुश पाण्डेय, डॉ. यामिनी एस, डॉ. भावना कुमारी, डॉ. विशाल सिंह उपस्थित रहे।

## बघरा दरगाह मे ज़यारत ए अमारी

बघरा। आज दरगाह ए आलिया बाबुल हवाईज बघरा मे नौचंदी जुमेरात को इमाम हुसैन कि याद मे अमारी का जुलूस निकाला गया तिलावत ए कुरान डॉ हसन मेन्दी ने की मरसीए खानी अली शाह ज़ैदी ने की मजलिस को ख़िताब आली जनाब मौलाना फसी हैदर ने की उन्होंने अपनी ख़िताबत मे इमाम हुसैन की असीरी बयान की क़र्बला मे इमाम हुसैन को कत्ल करने के बाद इमाम हुसैन के परिवार को 2 साल तक कैद मे रखा गया और उन की मजलूमियत बयान किया। ज़ीशान अली ने बताया की इमाम हुसैन का घराना क़र्बला की जंग के बाद जब मदीने पंहुचा कुछ ऊंट थे जिनपर बीबियां सवार थी लुटा हुआ काफला लम्बा सफर तय कर के मदीने पंहुचा सभी लोग ज़ख्मो से चूर थे उन्ही की याद मे आज उंटो की ज़यारत और जुलजना की सवारी निकाली गई इस प्रोग्राम मे हज़ारो लोग पहुचे दरगाह ए आलिया कमेटी के मेंबरों ने इंतेज़ाम किया अध्यक्ष सरताज हुसैन, उपाध्यक्ष हाजी ज़फर अब्बास, महासचिव आस मोहम्मद, सचिव रिज़वान जाफर, प्रो पेकेंडा सचिव डॉ हसन मेहंदी, शबी अब्बास मौजूद थे।

# आनन्दसूत्रम् में परसुख का आनन्द समाहितः प्रो. रामनाथ

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग ने आनंद मार्ग प्रचारक संघ की बौद्धिक शाखा, रेनेसां यूनिवर्सल (आरयू) के सहयोग से भारतीय ज्ञान परंपरा में श्री आनंदमूर्ति का दर्शन–आनंद सूत्रम् विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। इस अवसर पर, जेएनयू, एनडी के संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन संकाय के प्रो. राम नाथ झा ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि आनन्दमूर्ति जी के दर्शन में परम सुख की व्याख्या है। जो आध्यात्मिक आनंद का रस

बोध कराता है। पीआरएसयू के संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने स्वागत भाषण दिया और संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि श्री आनंदमूर्ति जी ने दर्शन, भाषा, साहित्य, अर्थशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, शिक्षा आदि विषयों पर लगभग 400 पुस्तकें लिखी हैं। उन्होंने इस बात की सराहना की कि आनंद मार्ग प्रचारक संघ 1955 से मानवता के उत्थान के लिए कार्यरत है। वे हजारों स्कूल चला रहे हैं, गरीब लोगों को सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं और दुनिया भर (लगभग 180 देशों) में भारतीय परंपरा, संस्कृति, दर्शन आदि पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन कर रहे हैं।आचार्य दिव्यचेतनानंद अवधूत, केंद्रीय जनसंपर्क सचिव, आनंद मार्ग प्रचारक संघ ने एक परिचयात्मक भाषण दिया। उन्होंने श्रीश्री आनंदमूर्ति जी के आनंद सूत्रम् ग्रंथ की पृष्ठभूमि की व्याख्या की। उन्होंने आगे कहा कि श्रीश्री आनंदमूर्ति जी ने 84 सूत्रों से युक्त आनंद सूत्रम् ग्रंथ की रचना की है और भारतीय दर्शन, नैतिकता, तत्वमीमांसा, योग, आर्थिक सिद्धांत आदि की व्याख्या की है। उन्होंने यह भी बताया कि श्रीश्री आनंदमूर्ति जी की पुस्तक षविचारधाराष के अनुसार विकास की तीन प्रक्रियाएँ हैं – भौतिक संघर्ष से उत्पन्न भौतिक बल, मानसिक संघर्ष से उत्पन्न मानसिक बल और महान के आकर्षण से उत्पन्न आध्यात्मिक बल। जेएनयू के संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन संकाय के प्रो. रामनाथ झा ने श्रीश्री आनंदमूर्ति जी के दर्शन की अन्य भारतीय दर्शन और विज्ञान से तुलना की। उन्होंने कहा कि आनंद सूत्रम् पुस्तक शोधार्थियों के लिए अत्यंत प्रासंगिक है और इसे विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। प्रो. अनिल प्रताप गिरि, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने मुख्य भाषण देते हुए बताया कि आनंद सूत्रम् को दर्शनशास्त्र का सातवाँ संप्रदाय कैसे माना जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आनंद सूत्रम् पुस्तक में, विशेष रूप से पाँचवाँ अध्याय, आध्यात्मिकता पर आधारित आर्थिक सिद्धांत की चर्चा करता है। इस सिद्धांत में श्रीश्री आनंदमूर्ति जी कहते हैं कि सभी को न्यूनतम गारंटी (भोजन, वस्त्र, शिक्षा, चिकित्सा और आवास) प्रदान की जानी चाहिए और अतिरिक्त धन को योग्य व्यक्तियों में वितरित किया जाना चाहिए। डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, सहायक प्रोफ़ेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने श्रीश्री आनंदमूर्ति जी के नवमानववाद दर्शन पर बात की। उन्होंने बताया कि मानवतावाद प्रेरणा के शाश्वत स्रोतों से प्रेरित नहीं होता, जबकि प्रेरणा के शाश्वत स्रोतों से प्रेरित नवमानववाद का अर्थ आध्यात्मिकता का एक पंथ है। नवीन मानवतावाद मानवतावाद को सार्वभौमिकता तक ऊपर उठाता है। अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव, समन्वयक, गांधीवादी एवं शांति अध्ययन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्ता, डीन, विधि संकाय, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह, अध्यक्ष संस्कृत विभाग एवं डीन, कला संकाय, प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, डीन छात्र कल्याण ने आनन्दमूर्ति के दर्शन पर अपनी बात रखी। संस्कृत प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने संगोष्ठी का संचालन किया। डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## वैष्णो देवी आपदा में 6 श्रद्धालुओं की मौत, पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे निशांत मलिक

मुजफ्फरनगर। जिले के लिए एक और दुखद समाचार सामने आया है। जम्मू–कश्मीर स्थित वैष्णो देवी आपदा प्रकरण में रामपुरी मोहल्ले के 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि मोहल्ले से 23 लोग एक साथ यात्रा पर गए थे। इस घटना से पूरे जिले में शोक की लहर है। सांसद हरेंद्र मलिक की अनुपस्थिति में उनके पुत्र निशांत मलिक ने पीड़ित परिवारों से मिलकर ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा भी शोकग्रस्त परिवारों से मिलने पहुंचे और उन्हें सांत्वना दी। इस दर्दनाक हादसे से जनपद गमगीन है और पीड़ित परिवारों के घरों में मातम पसरा हुआ है।

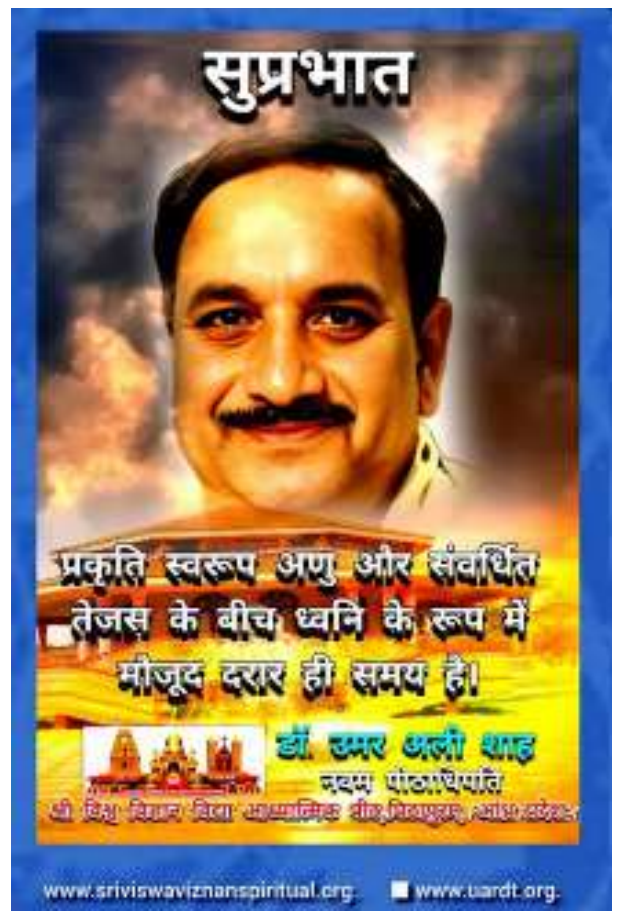


## प्यारा फूल गुलाब

(कुण्डलिया)

सुभग मनोहर दिव्य है, प्यारा फूल गुलाब।
कोमल जिसकी पंखुरी, ज़िन्दा करते ख़्वाब।
ज़िन्दा करते ख़्वाब,रहे जो दिल में सोते।
कर खुश्बू संचार, प्रेम रस उन्हें पिलाते।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द की गरिमा रखकर।
कहता पुष्प गुलाब, वक्त कर सुगम मनोहर।।

ख़्वाबों के संसार को, दिखा रहा जो दीप।
पावन पुष्प गुलाब है, रखिये उसे समीप।
रखिये उसे समीप, मिलेगा सुखमय जीवन।
भौतिकता से दूर, दिखेगा पावन मधुबन।
सुन लो कहें प्रदीप,अर्थ समझो शब्दों के।
जिसमें निहित यथार्थ,गमक बनते ख़्वाबों के।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

# कर विभाग नगर निगम, प्रयागराज
# जोनल कार्यालय जोन 03

### सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों क्रेतागणों, वारिसानों तथा अन्यः सम्बन्धियों की सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग जोन– 03 में विचाराधीन है। संबंधित पक्षों को धारा 213 की नोटिस भेजी जा चुकी है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाणों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अंदर आपत्ति दाखिल कर दें, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी।

| क्र० सं० | भवन संख्या/मोहल्ला | भवन स्वामी का नाम | जिसके पक्ष में नाम परिवर्तन होना है | नामान्तरण आधार |
|---|---|---|---|---|
| 8460 | 197/39/एल.जी–02 महत्मा गाँधी मार्ग | श्रीमती चन्द्रमुखी जैन आदि | श्री वजीम अहमद पुत्र श्री अजीज अहमद | लेख–पत्र |
| 8461 | 77एफ /29/एफ एफ–04 ला० ब० शास्त्री मार्ग | श्री राज कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० कृष्ण अग्रवाल | श्री अमित सेठ पुत्र श्री सुरेश चन्द्र सेठ | वि०–पत्र |
| 8462 | 199/43 ए.एम. जी. मार्ग | श्रीमती गोविन्दा जायसवाल आदि | श्री उपहार जायसवाल पुत्र श्री राधे कृष्ण जायसवाल | वसीयत |
| 8463 | 226डी/06डी/01 एन० राजापुर | श्री मेराज अहमद आदि | श्री मो. आफताब | बैनामा |
| 8464 | 24/5 म्योर रोड | श्रीमती पार्वती देवी,मुन्नी देवी आदि | श्री अंकित गुप्ता | बैनामा |
| 8465 | 24/1/1 म्योर रोड | श्रीमती आशा केशरी | आद्यान्त आटो मूवर्स प्रा० लि० द्वारा निदेशक अंकित गुप्ता | बैनामा |
| 8466 | 24/2/2 म्योर रोड़ | श्रीमती कलावती देवी आदि | आद्यान्त आटो मूवर्स प्रा० लि० द्वारा निदेशक अंकित गुप्ता | बैनामा |
| 8467 | 207/18 नसकोर्डगंज | श्री सत्य प्रकाश आदि | केवल रवि प्रकाश का नाम खारिज होगा शेष नाम के साथ श्रीमती प्रेमलता आदि | बैनामा |
| 8468 | 746/561 म0 हा स्कीम | श्री विजय कुमार श्रीवास्तव | श्री विवेक श्रीवास्तव आदि | वरासतन |
| 8469 | 821/609/5 म० हा० स्कीम | विकास प्राधिकरण इला0 द्वारा श्री सी० एल० मल्होत्रा | श्री दीपक मल्होत्रा | वरासतन |
| 8470 | 236/1डी स्टेनली रोड़ | श्रीमती मनोरमा देवी | श्री प्रमोद कुमार आदि | वरासतन |
| 8471 | 46/31बी म्योराबाद | श्रीमती अलीकुन्निशा बीबी | श्री अशरफ अहमद | वरासतन |
| 8472 | 209/167 म0 हा0 स्कीम | श्रीमती शकुन्तला देवी | श्रीमती रंजना मिश्रा दर्ज नाम के साथ | बैनामा पंजीकृत |
| 8473 | 209/167 म0 हा0 स्कीम | श्रीमती शकुन्तला देवी | दर्ज नाम के साथ श्रीमती आरती मिश्रा | पंजीकृत दान पत्र |
| 8474 | 2/2 चिल्ला | श्रीमती शान्ती देवी आदि | शेष दर्ज नाम के साथ श्रीमती सन्तोषी | बैनामा |
| 8475 | 217/160ए सलोरी | श्री चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय | दर्ज नाम के साथ श्रीमती नेहा पाण्डेय | बैनामा |
| 8476 | 217/160ए सलोरी | श्री चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय | दर्ज नाम के साथ संयोगिता पाण्डेय | बैनामा |
| 8477 | 348/141ए/3 चांदपुर सलोरी | श्रीमती श्री महारानी दीन वर्मा | दर्ज नाम के श्रीमती रीता देवी वर्मा | बैनामा |
| 8478 | 137/9सी/1एफ चाँदपुर सलोरी | श्रीमती राज लक्ष्मी | श्री ऐश्वर्या कुमार मौर्य आदि | वरासतन |
| 8479 | एम0 –1 सलोरी | श्री राम कृपाल यादव | श्री रणवीर सिंह आदि | वरासतन |
| 8480 | 45 ई० डब्लू० एस० काटजू आ० योजना | श्रीमती कमला देवी | श्री विभाष सिंह | बैनामा |
| 8481 | 4/2ए शिवकुटी | श्री अखिलेश सिंह आदि | शेष दर्ज नाम के साथ श्रीमती किरन सिंह आदि | वरासतन |
| 8482 | 53/47 स्वराज नगर | श्री भरत, दशरत आदि | श्री शैलेन्द्र कुमार (विभाजन) | बैनामा |
| 8483 | 63/4सी/1 शिवकुटी | श्री हरिवंश कुमार द्विवेदी | श्री बाल विद्याधर द्विवेदी आदि | वरासतन |
| 8484 | 150पी/2के भुलई का पूरा | श्री धमेन्द्र कुमार | श्री रविकान्ती सोनी (विभाजन) | बैनामा |
| 8485 | 657 ए/1 शिवकुटी | श्रीमती अमरावती वर्मा | श्रीमती सोनी भारतीय आदि | वरासतन |
| 8486 | 200/13सी/1 तेलियरगंज | श्री घनश्याम आदि | दर्ज नाम के साथ श्रीमती सरोज देवी आदि | वरासतन |
| 8487 | 74/68 स्वराज नगर | श्री जगन्नाथ यादव | श्री कमला प्रसाद आदि | वरासतन |
| 8488 | 135के भुलई का पूरा | श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव आदि | श्री राम अवध पाल | बैनामा |
| 8489 | 15के/1ए भुलई का पुरा | श्रीमती सावित्री देवी | श्री सुशील कुमार | बैनामा |
| 8490 | 36 जोखवल | श्री भारत यादव | श्रीमती कमला यादव आदि | वरासतन |
| 8491 | 231/1 जोखवल | श्री होरी लाल यादव | श्रीमती मीरा देवी आदि | वरासतन |
| 8492 | 109 भुलई का पूरा | श्री पप्पू | श्रीमती सुनीता देवी | बैनामा |
| 8493 | 396सी/ 1एम० चांदपुर सलोरी | श्रीमती शकि यादव | श्री अभिषेक कृष्ण | बैनामा |
| 8494 | 97ए/3सी छोटे लाल कुशवाहा नगर | श्री बच्ची लाल | श्रीमती कुसुम देवी आदि | वरासतन |
| 8495 | 8ई/3ए शिवकुटी | श्री ज्योति रंजन आदि | श्रीमती मंजू लता तिवारी (विभाजन) | बैनामा |
| 8496 | बी–168 मेहदौरी | श्रीमती समसुतनिशा | जुवैदा खातून (प्रकरण विवादित) | वरासतन |
| 8497 | एल0 आई0 जी0 245 गोविन्दपुर | श्री जय नारायण यादव | श्रीमती नीलम यादव | बैनामा |
| 8498 | 6/7 मेहैदौरी | सर्व पुन्नू व फुलचन्द्र | श्री रमेश कुमार आदि | वरासतन |
| 8499 | 120/9बी मेहदौरी | श्री वाजिद अली | श्री मो. आरिफ आदि | वरासतन |
| 8500 | ए–136 मेहदौरी हा० स्कीम | श्रीमती लीलावती | श्रीमती संध्या सिंह आदि | वरासतन |
| 8501 | ई० डब्लू० एस० एफ/11 मेहदौरी गृहयोजना | श्रीमती मंजू श्रीवास्तव | श्री शिव प्रकाश मिश्रा | वरासतन |
| 8502 | 662/1/110/7 शिवकुटी | श्रीमती लक्खू देवी | श्री राम फकीर आदि | वरासतन |
| 8503 | 999/851 कटरा | श्री केशव चरण भट्टाचार्य पुत्र स्व० सन्यासी चरण भट्टाचार्य | श्रीमती ऊषा किरन यादव पत्नी राम अधार यादव | वि०–पत्र |
| 8504 | 44/62/11 रसैनी रोड | श्रीमती सराजनी देवी पत्नी स्व० कृष्ण गोपाल श्रीवास्तव | श्री राहुल श्रीवास्तव आदि | वसीयत |
| 8505 | 36/21ई/5 महात्मा गांधी मार्ग | श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी स्व० विशेश्वर प्रसाद शाही | श्री राजेश्वर प्रसाद शाही आदि | वरासतन |
| 8506 | 20/19ए/एफएन–905 सरोजनी नायडू मार्ग | श्री दिनेश कुमार अग्रवाल | श्रीमती जॉय श्री घोष आदि | विक्रय–पत्र |
| 8507 | 30/28ए/–305 सरोजनी नायडू मार्ग | श्रीमती शशि त्रिवेद पत्नी सतीश त्रिवेदी | श्री सतीश त्रिवेदी | वरासतन |
| 8508 | 2/2 बख्तियारी | श्री अफजाल अहमद आदि | दर्ज नाम फातमा बीबी का खारिज होगा इनके स्थान पर नसीम अहमद आदि शेष नाम यथावत | वरासतन |
| 8509 | 33ए/1/32ए फकीरेगंज | श्री गोपाल सिंह पुत्र स्व० केशव प्रसाद | श्री दीपक सिंह पुत्र स्व० गोपाल सिंह | वरासतन |
| 8510 | 1097/938ए कटरा | श्री पुरुषोत्तम नाथ | दर्ज नामों में पुरुषोत्तम नाथ खारिज होगा उनके स्थान पर श्री सोनू गोस्वामी आदि | वरासतन |
| 8511 | 52/16 बी०के० बनर्जी मार्ग | श्री राधे कृष्ण जायसवाल आदि | श्री राधे कृष्ण जायसवाल का नाम खारिज होगा, शेष नाम के साथ श्रीमती वंदना जायसवाल आदि | वरासतन |
| 8512 | 46ए हेस्टिंग रोड़ | श्रीमती शशी लूथरा आदि | श्री विजय कुमार लूथरा व श्रीमती रेनू लूथरा कायम, शेष नाम खारिज | न्यायालय निर्णय |
| 8513 | 60डी/1 सरदार पटेल मार्ग | श्री राजेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री प्यारे लाल गुप्ता | श्रीमती मिनाक्षी गुप्ता आदि | वरासतन |
| 8514 | 49/ए–302 ताश कन्द मार्ग | श्री कैलाश नाथ सिन्हा पुत्र स्व० कान्ता जी सहाय | श्रीमती पुष्पा सिन्हा पत्नी स्व० कौशल चन्द्र सिन्हा | वरासतन |
| 8515 | जे–309 जी30 सरदार पटेल मार्ग | श्री अजय अग्रवाल दर्ज खसरा नहीं है। | श्रीमती समीक्षा जायसवाल पत्नी श्री विशाल जायसवाल | विक्रय–पत्र |
| 8516 | 18/18ए/जी एफ –5,6 महात्मा गांधी मार्ग | सरदार हरजेन्दर सिंह आदि | सरदार इन्द्र प्रीत सिंह खारिज शेष नाम यथावत | गिफ्ट–डीड |
| 8517 | 322/255 म0 हा0 स्कीम | श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव आदि | दर्ज नाम के साथ श्री संजय कुमार श्रीवास्तव | बैनामा |
| 8518 | 227/182 म0 हा० स्कीम | श्रीमती निरुपमा मिश्रा आदि | केवल श्रीमती निरुपमा मिश्रा के स्थान पर शेष नाम के साथ श्री प्रदीप कुमार उपाध्याय | बैनामा |
| 8519 | 2बी प्रथम ताल स्टैनली रोड़ | श्री अशोक कुमार पाठक | दी इन्स्टीट्यूट ऑफ कास्ट स्काउन्टेन्टस ऑफ इण्डिया जरिए श्री देवो प्रोसन्ना नंदी | बैनामा |
| 8520 | 408/517ए/एस0–42 म0 हा0 स्कीम | श्री राम सलट राम | श्रीमती शुभागिनी शुक्ला | बैनामा |
| 8521 | 626/493 म0 हा० स्कीम | श्रीमती वसुन्धरा वत्स आदि | श्रीमती वन्दना | बैनामा |
| 8522 | 335/259 म0 हा0 स्कीम | श्री अरविन्द कुमार सिंह | श्रीमती रीता सिंह आदि (विवादित) | वरासतन |
| 8523 | 408/338/1 कर्नलगंज | श्री गोपाल दास चटर्जी | श्रीमती शशी चटर्जी आदि | वरासतन |
| 8524 | 86/76 नऊ सरैया | श्री श्रीराम दास | श्री त्रिभुवन | वरासतन |
| 8525 | 31/26 नऊ सरैया | श्री ईश्वरी व परमेश्वरी | श्रीमती मुन्नी देवी (विभाजन) | बैनामा |
| 8526 | 58ई /10 एन/01 नेवादा | श्रीमती गायत्री देवी श्री अशोक कुमार | श्रीमती अंजली | वरासतन |
| 8527 | 109/65ए थार्नहिल रोड़ | श्री भुपेश्वर दयाल | श्रीमती कुसुम दयाल | वरासतन |

पत्रांक सं. डी–3556/ज.सर्म.अधि./2025 दिनांक 27/08/2025

जोनल अधिकारी
जोन 03, कटरा
नगर निगम, प्रयागराज।

# सम्पादकीय.....

## प्रकृति का रौद्र

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन–जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति–नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी–अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता। निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति–निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार–विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन–धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

# उपराष्ट्रपति पद के विवाद, सरकार जिम्मेदार

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*मोदी सरकार कम से कम उनके लिए एक विदाई समारोह आयोजित कर ही सकती थी, लेकिन इतनी शालीनता और शिष्टता भी नहीं दिखाई गई।*

राष्ट्रपति चुनाव में फिर भी राजनैतिक दांव–पेंच देखने मिल जाते थे, लेकिन उपराष्ट्रपति पद पर बैठे व्यक्ति या उपराष्ट्रपति चुनाव से विवादों का नाता नहीं होता था, अब 11 सालों की मोदी सरकार में यह बड़ा परिवर्तन भी देखने मिल रहा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का रहस्य अब भी बना हुआ है। रोजाना उनके लिए विपक्ष के नेता सवाल उठा रहे हैं कि धनखड़ साहब कहां हैं, कैसे हैं, वे सामने क्यों नहीं आते। लेकिन इनका कोई जवाब नहीं मिलता। मानसून सत्र खत्म हो गया, लेकिन 21 जुलाई यानी सत्र के पहले दिन श्री धनखड़ के इस्तीफे के बाद से उनकी कोई चर्चा उस राज्यसभा में नहीं हुई, जहां वो आसंदी पर बैठते थे। मोदी सरकार कम से कम उनके लिए एक विदाई समारोह आयोजित कर ही सकती थी, लेकिन इतनी शालीनता और शिष्टता भी नहीं दिखाई गई। इस बारे में गृहमंत्री अमित शाह से न्यूज एजेंसी एएनआई की संपादक स्मिता प्रकाश ने सवाल किया तो उनका जवाब था कि स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने इस्तीफा दिया। धनखड़ साहब को भी न जाने किस बात का डर है जो अब तक उन्होंने न किसी से फोन पर बात की, न आम जनता के लिए एक संदेश ही भेजा कि वे ठीक हैं या स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जुड़े रहस्य अभी बरकरार हैं और इस बीच उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी भी शुरु हो गई है। मैदान में एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया के बी श्रीनिवास रेड्डी हैं। श्री रेड्डी को आम आदमी पार्टी ने भी साथ देने का वादा किया है, जबकि वह इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। लेकिन चूंकि मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए इसे विचारधारा की लड़ाई बताया था, इसलिए संविधान की रक्षा के लिए आम आदमी पार्टी फिर इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी है। इधर अखिलेश यादव ने भी अपील कर दी है कि अंतरात्मा की आवाज सुनकर वोट करें, यानी उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के सामने क्रॉस वोटिंग का खतरा खड़ा हो गया है। भाजपा तो संघ से जुड़े रहे सी पी राधाकृष्णन को वोट देगी ही, लेकिन जेडीयू, टीडीपी या शिंदे गुट की शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी, इनमें से किसी ने अपनी जमीर की आवाज सुन ली, तो फिर एनडीए प्रत्याशी का जीतना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में अब अमित शाह खुद मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में शालीनता की उम्मीद थी, लेकिन भाजपा इसे मलिन कर रही है। गृहमंत्री अमित शाह जस्टिस रेड्डी को घेरने के लिए छत्तीसगढ़ के सलवा जुडूम अभियान पर 2011 के उनके फैसले को फाइलों से निकाला है। इस फैसले के आधार पर श्री शाह जस्टिस रेड्डी को नक्सलवाद को बढ़ावा देने वाला बता रहे हैं, उनके मुताबिक अगर सलवा जुडूम को खत्म करने का फैसला न आया होता तो 2020 तक नक्सलवाद खत्म हो गया होता। यहां अमित शाह ने न केवल न्यायपालिका पर उंगली उठाई है, बल्कि सुरक्षा बलों का अपमान भी किया है, जो जान की बाजी लगाकर नक्सली इलाकों में तैनात हैं। बच्चे इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में जस्टिस रेड्डी ने साफ कहा है कि गृहमंत्री को सुप्रीम कोर्ट के 40 पन्नों के फैसले को पढ़ना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फैसला उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का था। जस्टिस रेड्डी ने कहा कि इस देश के सबसे ताकतवर गृह मंत्री, 14 साल बाद यह मुद्दा उठा रहे हैं। जब वे इस समस्या से जूझ रहे थे, तब उन्हें कभी यह ख्याल ही नहीं आया कि यह फैसला इसकी जड़ है या उनके रास्ते में रोड़ा बन रहा है और उनके हाथ बांध रहा है। जस्टिस रेड्डी ने सलवा जुडूम के अपने फैसले पर कहा कि हिंसा से लड़ने के नाम पर आप एक और हिंसक समूह नहीं बना सकते और दोनों एक–दूसरे के खिलाफ लड़ सकते हैं। हथियार चलाने का एकाधिकार हमेशा से राज्य का रहा है। राज्य को हिंसा के ऐसे खतरे से लड़ने का पूरा अधिकार है। फैसले में बस इतना कहा गया था, इसे आउटसोर्स न करें। हिंसा से निपटना संप्रभु राज्य का संवैधानिक कर्तव्य, दायित्व और जिम्मेदारी है। बता दें कि 2011 में जस्टिस सुदर्शन रेड्डी और जस्टिस एस.एस. निज्जर की सुप्रीम कोर्ट बेंच ने सलवा जुडूम को असंवैधानिक और गैरकानूनी घोषित किया। कोर्ट ने इसे मानवाधिकारों के हनन के साथ संविधान के खिलाफ भी बताया था। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को इसे तुरंत खत्म करने का आदेश दिया था। अब अमित शाह उसी मुद्दे को अकारण जिंदा कर रहे हैं, ताकि विपक्ष के उम्मीदवार की छवि बिगड़े और उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत उनकी हो जाए। अमित शाह के अलावा पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी जस्टिस रेड्डी का झुकाव माओवाद की तरफ बताया है। हालांकि इस तरह के हमले और कटाक्ष न केवल उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को चोट पहुंचा रहे हैं, बल्कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए भी चिंता जगा रहे हैं। भाजपा के शासन में पहले से जांच एजेंसियों और न्यायिक व्यवस्था को प्रभावित करने के आरोप लगे हैं। अब अमित शाह उसे सही साबित कर रहे हैं। हालांकि गृहमंत्री की टिप्पणी बहुतों को नागवार गुजरी है। 18 पूर्व जजों ने गृहमंत्री के बयान को सुप्रीम कोर्ट की स्वतंत्रता के लिए खतरा बताया है। इनमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ए.के. पटनायक, अभय ओका, गोपाला गौड़ा, विक्रमजीत सेन, कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर, जैसे नामों के अलावा तीन पूर्व हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। इन पूर्व जजों ने एक संयुक्त बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि शाह का सलवा जुडूम फैसले की गलत व्याख्या करना और उसका राजनीतिकरण करना न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। पूर्व जजों ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि फैसले में कहीं भी नक्सलवाद का समर्थन नहीं किया गया।

# संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

**उमेश चतुर्वेदी**

संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चर्चाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं। संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन–जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं। किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप–श्रेणियां बनाई हैं। संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय–पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने–कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने–समझने की कोशिश करता रहा है। संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे।

**पुस्तक समीक्षा**

# सादगी, मासूमियत और निर्मल आनन्द की 'बाल वाटिका'

बाल साहित्य किसी भी समाज की सांस्कृतिक धरोहर और भविष्य निर्माण का आधार होता है। बालकों के कोमल मन को सुंदरता, सरलता और भावनाओं की भाषा में जोड़े बिना उन्हें जीवन के सच्चे मूल्य नहीं सिखाए जा सकते। डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय की कृति बाल वाटिका इसी उद्देश्य की पूर्ति करती है। संग्रह की कविताएँ सरल, सहज और बाल–मन को भाने वाली हैं। प्रत्येक कविता में प्रकृति, जीव–जंतु और परिवेश के चित्र बड़ी आत्मीयता से उकेरे गए हैं। ष्फुलवारीष कविता में विभिन्न फूलों की सुगंध और तितलियों–चिड़ियों का चंचल संसार बच्चों के सामने जीवंत हो उठता है। ष्भोरष कविता में राष्ट्रीय पक्षी का नृत्य और उसकी छटा बालकों के मन में हर्षोल्लास भर देती है। ष्तोताष की कविता में हरी डाल, मिर्च और नीले गगन में उड़ता तोता बच्चों को सहज ही आकर्षित करता है।

इसी प्रकार श्नदियाँश कविता जीवन का गहरा संदेश देती है कि कठिनाइयों के बावजूद नदियाँ रुकती नहीं, बहती रहती हैं और सबकी प्यास बुझाती हैं। यह बालकों के लिए एक प्रेरक सीख है। 'गुलाब' कविता में आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संदेश है काँटों के बीच रहकर भी गुलाब मुस्कुराता है।

भाषा की सरलता, लयात्मकता और चित्रों की सहजता इस पुस्तक की विशेषता है। शब्दावली छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों के अनुरूप है, जिससे वे न केवल पढ़ने में आनंद लेंगे बल्कि गुनगुनाने में भी सहज होंगे। कविताओं में संस्कार, सौंदर्यबोध और जीवन–दर्शन की झलक है, जो बाल वाटिका को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शिक्षा और संवेदना का उत्कृष्ट संकलन बनाती है। इस पुस्तक ने मुझे मेरे बाल्यपन में पहुँचा दिया जब मुझे ऐसी ही पाठ्यपुस्तकों ने पहली बार अक्षरों से परिचित कराया था। फूलों, पक्षियों, नदियों और ऋतुओं पर आधारित छोटी–छोटी कविताएँ हमारे जीवन की पहली सीख बन जाती थीं। वे न केवल भाषा की मिठास सिखाती थीं बल्कि प्रकृति से आत्मीय संबंध भी जोड़ती थीं।

बाल वाटिका पढ़ते हुए वही बचपन की सादगी, मासूमियत और निर्मल आनंद फिर से जीवित हो उठता है। सचमुच, डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय की यह कृति केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बड़ों के लिए भी एक भावनात्मक सेतु है जो उन्हें उनके सुनहरे बीते दिनों से जोड़ देती है।

लोकरंजन प्रकाशन प्रयागराज द्वारा प्रकाशित श्बाल वाटिकाश बाल काव्य संग्रह डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय की एक सफल रचना है, जो बालकों के लिए ज्ञान और आनंद का संगम प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक निश्चित ही विद्यालयों की प्राथमिक कक्षाओं और घर–परिवार दोनों में बच्चों के लिए प्रिय पाठ्यसंग्रह बनेगी।

**विश्वनाथ पाण्डेय**
कानपुर उत्तर प्रदेश

# अर्थतंत्र की ताकत और विज्ञान की भूमिका राष्ट्र के विकास के लिए सर्वोपरि

**संजीव ठाकुर**

वर्तमान समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है। हमे केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ना होगा। तब जाकर सनातनी सांस्कृतिक,विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन यथोचित तरीके से हो पाएगा। भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों पुराणों और सनातनीं संस्कारों में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण तैयार किया है और वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे। प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए। जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, आत्म विश्वासके घटक मौजूद हों। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास की सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रही है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को एक दिन,वर्ष या दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है।

# गणेश चतुर्थी पर बदला शर्लिन चोपड़ा का अंदाज, साड़ी पहन दिखीं संस्कारी, लोग बोले, "बप्पा ने सही राह दिखा दी"

गणेश चतुर्थी का पर्व आते ही हर तरफ भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। आम लोगों से लेकर सेलेब्रिटीज तक, सब बप्पा के स्वागत में जुटे हैं। ऐसे में हमेशा बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज में दिखने वाली शर्लिन चोपड़ा का बिल्कुल बदला हुआ रूप सामने आया है। उन्होंने न सिर्फ साड़ी पहनी, बल्कि पूरी मराठी मुलगी की तरह सज–धजकर बप्पा की पूजा करती नजर आईं। जो शर्लिन अक्सर अजीबो–गरीब या रिवीलिंग कपड़ों को लेकर चर्चा में रहती थीं, वही शर्लिन इस बार पिंक नौवारी साड़ी पहनकर सामने आईं। न बैकलेस ड्रेस, न फटी जींस बस सादगी और भक्ति से भरा रूप। ये देखकर फैंस भी हैरान रह गए कि क्या ये वही शर्लिन चोपड़ा हैं? शर्लिन ने इस मौके पर जो साड़ी पहनी, वो पारंपरिक नौवारी साड़ी थी, जिसका रंग था प्यारा पिंक और बॉर्डर ग्रीन–गोल्डन। इसके साथ उन्होंने सादा हरा ब्लाउज पहना, जिसकी गोल नेकलाइन और स्लीव्स पर गोल्ड बॉर्डर उनके लुक को शालीनता दे रहा था। ब्लाउज का डोरी वाला बैक डिजाइन भी बेहद खूबसूरत था, जिससे उनका देसी लुक थोड़ा स्टाइलिश भी बना रहा। शर्लिन ने साड़ी को सामान्य नहीं, बल्कि मराठी स्टाइल में धोती की तरह ड्रेप किया। इस ड्रेपिंग से न सिर्फ उनका लुक यूनिक लगा बल्कि चलने–फिरने में भी आसानी रही। इस पारंपरिक लुक को पूरा किया एक बड़ी महाराष्ट्रीयन नथ और पर्ल नेकपीस ने, जो उनके ग्रीन ब्लाउज पर खूब जच रहा था। सिर्फ साड़ी पहनना ही नहीं, शर्लिन बप्पा की भक्ति में झूमती भी नजर आईं। उनका डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। किसी ने कहा, आप बेहद सुंदर लग रही हैं, तो किसी ने लिखा, शायद भगवान ही आपको सही राह दिखा सकते हैं। लोगों को शर्लिन का यह बदला रूप बहुत पसंद आया है। अब हर कोई यही जानना चाहता है कि क्या वह आगे भी ऐसे ही भारतीय परंपरा वाले लुक्स में दिखेंगी या फिर दोबारा अपने पुराने अतरंगी स्टाइल में लौटेंगी?

> "न बैकलेस ड्रेस, न फटी जींस बस सादगी और भक्ति से भरा रूप। ये देखकर फैंस भी हैरान रह गए कि क्या ये वही शर्लिन चोपड़ा हैं? शर्लिन ने इस मौके पर जो साड़ी पहनी, वो पारंपरिक नौवारी साड़ी थी, जिसका रंग था प्यारा पिंक और बॉर्डर ग्रीन–गोल्डन। इसके साथ उन्होंने सादा हरा ब्लाउज पहना, जिसकी गोल नेकलाइन और स्लीव्स पर गोल्ड बॉर्डर उनके लुक को शालीनता दे रहा था।

# ससुराल नहीं, मायके वालों संग आउटिंग पर निकलीं आलिया भट्ट, मम्मी-पापा और बहन संग दिखाया स्टाइलिश अंदाज

एक्ट्रेस आलिया भट्ट को घूमने फिरने का बहुत शौक है। उन्हें अक्सर पति या फैमिली संग आउटिंग पर देखा जात है। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस को अपने पूरे परिवार (मायके) के साथ एक आउटिंग पर देखा गया। इस दौरान उनके साथ पिता महेश भट्ट, मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट मौजूद थीं। इस फैमिली आउटिंग के दौरान सभी ने कैमरे के सामने मिलकर पोज दिए और आलिया पूरे समय मुस्कुराती हुईं नजर आईं। आलिया इस दौरान बेहद सिंपल लेकिन स्टाइलिश लुक में नजर आईं। उन्होंने हाई–वेस्ट ब्लू डेनिम जींस के साथ व्हाइट टैंक टॉप पहना, जिसके ऊपर उन्होंने ग्रे पिनस्ट्राइप ब्लेजर डाला हुआ था। यह आउटफिट उनके कैजुअल लुक को एक पॉलिश्ड और एलिगेंट टच दे रहा था। इसके साथ आलिया ने छोटे गोल्ड हूप ईयररिंग्स पहने, जो उनके लुक को और भी निखार रहे थे। एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें आलिया और उनकी बहन शाहीन भट्ट एक साथ कार से बाहर निकलती हैं और फिर दोनों ने साथ में कैमरे के लिए पोज दिए। इस वीडियो को देखकर फैंस ने दोनों बहनों की बॉन्डिंग की तारीफ की। फिल्मों की बात करें तो आलिया के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं, उनकी अगली फिल्म है 'अल्फा', जो यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म में उनके साथ बॉबी देओल और शरवरी वाघ भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा, आलिया संजय लीला भंसाली की बहुचर्चित फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी नजर आने वाली हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी होंगे।

# सूरज बड़जात्या का खुलासा, सलमान खान के साथ हटकर फिल्म बनाना चुनौतीपूर्ण

निर्देशक सूरज बड़जात्या का कहना है कि अभिनेता सलमान खान के लिए कुछ हटकर फिल्म बनाना हमेशा एक चुनौतीपूर्ण होता है। लंबे समय से सलमान खान के साथ काम करते आ रहे बड़जात्या की योजना अभिनेता के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की थी, लेकिन किरदार को लेकर स्पष्टता नहीं होने के कारण उन्होंने यह विचार फिलहाल टाल दिया। बड़जात्या और खान ने "मैंने प्यार किया" (1989), "हम आपके हैं कौन..!" (1994), "हम साथ साथ हैं" (1999) और "प्रेम रतन धन पायो" (2015) जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जो काफी सफल रहीं। निर्देशक ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा, "कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आप आगे नहीं ले जा पाते, आप क्लाइमैक्स नहीं बना पाते या किरदार नहीं गढ़ पाते। ....तो जब तक ये सब चीजें तय नहीं होतीं, तब तक फिल्म बनाना सही नहीं होता।" उन्होंने कहा. "मैंने अब तक मुश्किल से सात फिल्म बनाई हैं, लेकिन मैंने तय किया है कि जब तक मैं पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाता, तब तक फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई ने इस मामले में मेरा साथ दिया। आज उनकी उम्र को देखते हुए उनके लिए कुछ प्रासंगिक और नया बनाना और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण है।'' सलमान खान ने अपने 30 वर्षों से अधिक के करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं, लेकिन कुछ वर्ष पहले रिलीज हुईं फिल्म जैसे "सिकंदर", "किसी का भाई किसी की जान", "राधे", "दबंग 3" और "रेस 3" को दर्शकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बावजूद बड़जात्या को खान के करियर को लेकर पूरा भरोसा है और उनके बड़े स्तर पर वापसी करने को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, "हर किसी के जीवन में ऐसा समय आता है... फर्क सिर्फ इतना है कि वह एक सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज़्यादा ध्यान जाता है। लेकिन हर किसी को गलती करने और उससे सीखने की आज़ादी मिलनी चाहिए। यही जीवन है।" बड़जात्या ने कहा, "हमें एक–दूसरे को बढ़ने का अवसर देना चाहिए, इतना कठोर नहीं होना चाहिए। वह एक अच्छे इंसान हैं, बहुत मजबूत हैं और वह बहुत बड़े स्तर पर वापसी करेंगे।" फिलहा सूरज बड़जात्या और सलमान खान दोनों अपने–अपने आगामी प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं। बड़जात्या जल्द ही आयुष्मान खुराना और शरवरी अभिनीत एक पारिवारिक फिल्म पर काम शुरू करेंगे, जबकि सलमान खान अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही "बैटल ऑफ गलवान" की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो वर्ष 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है।

# झूठी निकलीं तलाक की खबर, गोविंदा और सुनीता आहूजा ने एक साथ किया बप्पा का स्वागत

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड स्टार गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही थी। सभी तरह की अफवाहों पर तभी विराम लग गया जब दोनों एक साथ नजर आए। तलाक की खबरों के बीच गोविंदा और सुनीता एक साथ गणेश उत्सव में शामिल

हुए। दोनों ने अपने घर में बप्पा का स्वागत किया लंबे समय के बाद दोनों को एक साथ देखकर फैंस बेहद खुश है। इससे एक बात तो साफ हो गई कि दोनों का रिश्ता अभी भी मजबूत है। वहीं कुछ दिन पहले गोविंदा के मैनेजर ने तलाक की खबरों को झूठ बताते हुए कहा था कि गोविंदा और सुनीता के बीच कोई अनबन नहीं है।पूरा परिवार एकजुट है और इस बार भी वे गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाएंगे।मैनेजर ने कहा था– गोविंदा का परिवार हर साल की तरह बप्पा को घर लाने की तैयारी कर रहा है। इसका मतलब यह है कि तलाक की अफवाहें सिर्फ निराधार गॉसिप हैं और हकीकत से कोई लेना–देना नहीं है। गोविंदा और सुनीता के बीच सबकुछ ठीक है।

# अनिल कपूर ने सुनाया अनसुना किस्सा! ऐश्वर्या राय ने लगभग ठुकरा दी थी सुपरहिट 'हमारा दिल आपके पास है', जानें क्यों?

हमारा दिल आपके पास है सतीश कौशिक द्वारा निर्देशित और बोनी कपूर द्वारा निर्मित एक पुरस्कार विजेता बॉलीवुड रोमांटिक हिंदी एक्शन फिल्म है, जिसमें अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिकाओं में हैं। जब प्रीति भवानी चौधरी के खिलाफ एक हत्या के आरोप में गवाही देती है, तो वह उसका बलात्कार करता है। अपने परिवार द्वारा अपमानित और घर से निकाले जाने के बाद, एक दयालु व्यक्ति अविनाश उसे रहने के लिए जगह देता है। जिसके बाद दोनों के बीच धीरे–धीरे नजदीकिया बढ़ जाती है लेकिन आखिर में अविनाश की मां का ट्विस्ट आ जाता है। अपनी इस सुपरहिट फिल्म को लेकर अनिल कपूर ने पुरानी कुछ यादें शेयर की है। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी सुपरहिट फिल्म हमारा दिल आपके पास है के 25 साल पूरे होने पर बताया कि अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म से पीछे हटने का फैसला कर लिया था, लेकिन एक भावनात्मक बातचीत के बाद वह फिर इससे जुड़ गईं। यह फिल्म 24 अगस्त, 2000 को रिलीज़ हुई थी और इसका निर्देशन दिवंगत अभिनेता–फिल्मकार सतीश कौशिक ने किया था। अनिल कपूर ने फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरों का एक 'कोलाज' रविवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया और एक लंबा संदेश भी लिखा। सतीश कौशिक को अपना "प्रिय मित्र" बताते हुए 68 वर्षीय अभिनेता ने लिखा "जब मैं हमारा दिल आपके पास है के 25 साल पूरे होने पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मेरे दिल में मेरे सबसे प्यारे दोस्त सतीश कौशिक की यादें ताजा हो जाती हैं।" उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने ऐश्वर्या का नाम इस फिल्म के लिए सुझाया था। उन्होंने कहा "जब हम ताल की शूटिंग कर रहे थे, तो ऐश्वर्या की अद्भुत प्रतिभा ने मुझे प्रभावित किया और मैंने उनका नाम सतीश जी को सुझाया। पहले कुछ हिचकिचाहट थी, लेकिन जैसे ही सतीश जी ने उन्हें सेट पर देखा, वे तुरंत मान गए। और फिर जो हुआ, वह इतिहास है।" अनिल कपूर ने आगे लिखा कि ऐश्वर्या को कुछ आशंकाएं थीं, जिसके चलते उन्होंने शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। उन्होंने कहा "शूटिंग से ठीक पहले ऐश्वर्या को कुछ चिंताएं थीं और उन्होंने लगभग फिल्म छोड़ दी थी। तब सतीश और मैं उनके घर गए, एक भावुक बातचीत हुई, और सौभाग्य से उन्होंने फिल्म में बने रहने का फैसला किया।" उन्होंने लिखा "और मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने ऐसा किया, क्योंकि उनका प्रदर्शन शानदार था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई, जिसे दर्शकों और बॉक्स ऑफिस दोनों का भरपूर प्यार मिला।" अनिल कपूर ने अंत में लिखा "इन खूबसूरत यादों और उस जादू के लिए आभारी हूं, जो हमने मिलकर रचा था। और अपने दोस्त सतीश को हर दिन बहुत याद करता हूं।" फिल्म में ऐश्वर्या ने प्रीति की भूमिका निभाई थी, जो हत्या के एक मामले में गवाही देती हैं और फिर भवानी चौधरी (मुकेश ऋषि) द्वारा बलात्कार की शिकार होती हैं। उसके बाद उसे समाज और परिवार त्याग देते हैं, और अविनाश (अनिल कपूर) उसे सहारा देते हैं। फिल्म में सोनाली बेंद्रे और अनुपम खेर भी प्रमुख भूमिकाओं में थे।

## बैचलर पार्टी को इंजॉय करने के लिए इन 3 जगहों पर प्लान करें ट्रिप, जिंदगी भर याद रहेगी ट्रिप

शादी का दिन हर किसी के लिए सबसे ज्यादा खास होता है। वहीं शादी से पहले का समय हर किसी के लिए बेहद खास होता है। शादी से पहले के पलों को इंजॉय करने के लिए लोग शादी से पहले सिंगल लाइफ को इंजॉय करते हैं। शादी से पहले लोग अपने दोस्तों के साथ बैचलर पार्टी प्लान करते हैं, जो खुशी दिखाने का बेहतरीन तरीका होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने दोस्तों के साथ बैचलर पार्टी करने जा सकते हैं। ट्रिप इंजॉय करने के साथ ही आप दोस्तों के साथ यहां घंटों पार्टी कर सकते हैं।

मनाली

दोस्तों के साथ बजट में बैचलर पार्टी इंजॉय करनी है, तो आपके लिए मनाली बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। अगर आप प्रकृति प्रेमी है, तो रोमांचक एक्टिविटी का आनंद लेने के लिए यह जगह परफेक्ट है। मनाली सुंदर वादियों और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए जाना जाता है। आप यहां पर रात भर दोस्तों के साथ पार्टी और खूब मस्ती कर सकते हैं। इतनी सुंदर जगह पर बैचलर लाइफ को अलविदा कहना हर किसी के लिए यादगार रहेगा।

होटल और होमस्टे– 1500 से 4000 रुपये के बीच आसानी से मिल जाएंगे।

कुल खर्च– लगभग 15,000–20,000 रुपये प्रति व्यक्ति आएगा, जिसमें ट्रैवल, स्टे और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

लेह–लद्दाख

अगर आप अपनी बैचलर पार्टी को रोमांचक बनाना चाहते हैं, तो लेह–लद्दाख ट्रिप प्लान कर सकते हैं। ऐसा जरूरी नहीं है कि बैचलर पार्टी सिर्फ खाने–पीने और डांस करने वाली ही हो। बल्कि आप इस ट्रिप पर जाकर अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेट भी कर सकते हैं। यह एक अनोखा डेस्टिनेशन है, जहां पर आप सुकून के पल बिताने के साथ–साथ एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। बैचलर लाइफ को इंजॉय करने के लिए आपको इससे अच्छी जगह नहीं मिलेगी।

बता दें कि आप यहां पर खूबसूरत झील के किनारे कैंपिंग कर सकते हैं और रात में पार्टी कर सकते हैं।

खर्च– करीब 25,000–35,000 रुपये प्रति व्यक्ति आ सकता है, जिसमें ट्रैवल, रुकने और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

गोवा

अगर बैचलर पार्टी की बात हो और गोवा का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता है। गोवा एक बहुत सुंदर शहर है, जो आपकी बैचलर लाइफ को यादगार बना देगी। ऐसे में शादी से पहले आपको एक बार गोवा जरूर जाना चाहिए। इसके अलावा आप ऊटी, मुन्नार और कुर्ग जैसी जगहों पर भी बैचलर ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

कुल खर्च– लगभग 20,000–30,000 रुपये प्रति व्यक्ति, जिसमें ट्रैवल, रुकने और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

## मिनी हार्ट अटैक को ना करें अनदेखा, समय पर इलाज जरूरी नहीं तो...

हमारे दिल की सेहत पर न सिर्फ खानपान, बल्कि जीवनशैली का भी गहरा असर पड़ता है। मिनी हार्ट अटैक, जिसे श्साइलेंट हार्ट अटैकश भी कहा जाता है, दिल की गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है, और यह बिना किसी चेतावनी के भी आ सकता है। हार्ट एक्सपर्ट के अनुसार, मिनी हार्ट अटैक की पहचान करना और समय पर उपचार लेना महत्वपूर्ण होता है। यह लेख मिनी हार्ट अटैक के सामान्य लक्षणों, उन लोगों के लिए विशेष जोखिम और इस स्थिति से बचाव के उपायों पर ध्यान केंद्रित करता है। जानिए कैसे आप मिनी हार्ट अटैक के संकेतों को पहचान सकते हैं और अपने दिल की सेहत को बनाए रख सकते हैं।

मिनी हार्ट अटैक क्या है?

हार्ट एक्सपर्ट अवधेश शर्मा के अनुसार, षमिनी हार्ट अटैक को कम गंभीरता वाला हार्ट अटैक माना जाता है। इस दौरान धमनियों में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आती है। हार्ट की आवश्यकता के मुकाबले, मांसपेशियों को ब्लड की 20 से 30 प्रतिशत आपूर्ति की जाती है।ष

मिनी हार्ट अटैक के लक्षण

पेट में परेशानी

मिनी हार्ट अटैक के दौरान गैस, बदहजमी, पेट में जलन और पेट का भारी होना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। यह स्थिति आमतौर पर गैस की समस्या के रूप में देखी जाती है, लेकिन यह मिनी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

सांस फूलना

चलने–फिरने के दौरान सांस फूलने की समस्या मिनी हार्ट अटैक का एक प्रमुख लक्षण है। लोग अक्सर इसे लंग्स की कमजोरी से जोड़ते हैं, लेकिन यह वास्तव में मिनी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

घबराहट महसूस होना

मिनी हार्ट अटैक आने पर बिना किसी स्पष्ट कारण के घबराहट महसूस होती है। साथ ही, व्यक्ति का मन काफी बेचौन रहता है, जो इस स्थिति का एक और संकेत हो सकता है।

कमजोरी महसूस होना

बिना किसी कारण के कमजोरी महसूस होना भी मिनी हार्ट अटैक का एक लक्षण हो सकता है। यह स्थिति व्यक्ति को चलने–फिरने में परेशानी दे सकती है।

छाती में असहजता

छाती में असहजता या दबाव की अनुभूति भी मिनी हार्ट अटैक का एक संकेत हो सकता है। यह महसूस हो सकता है कि छाती पर भारीपन या जकड़न हो रही है।

दर्द की असामान्य स्थिति

कभी–कभी, मिनी हार्ट अटैक के दौरान दर्द गर्दन, पीठ, या बाहों में भी महसूस हो सकता है। यह दर्द अचानक और असामान्य हो सकता है, जो आमतौर पर दिल की समस्याओं से जुड़ा होता है।

पसीना आना

मिनी हार्ट अटैक के दौरान अत्यधिक पसीना आना भी एक लक्षण हो सकता है। यह पसीना ठंडा और चिपचिपा हो सकता है, जो सामान्य स्थितियों में नहीं होता है।

उल्टी का आना

कुछ लोगों को मिनी हार्ट अटैक के दौरान मतली या उल्टी की अनुभूति हो सकती है। यह लक्षण पेट में असहजता के साथ भी जुड़ा हो सकता है।

किन लोगों को है अधिक खतरा?

मिनी हार्ट अटैक का सबसे अधिक खतरा उन लोगों को होता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है, डायबिटीज के मरीज हैं या बुजुर्ग हैं। इसके अतिरिक्त, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, और तनाव भी मिनी हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार के लोगों को नियमित रूप से हार्ट चेकअप करवाना चाहिए और अपनी सेहत पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मिनी हार्ट अटैक से बचाव के उपाय

– स्वस्थ आहारः संतुलित आहार लेना, जिसमें फल, सब्जियां, और साबुत अनाज शामिल हों, दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है।

– नियमित व्यायामः रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करने से दिल की सेहत बेहतर रहती है।

– तनाव प्रबंधनः योग, ध्यान और तनाव प्रबंधन तकनीकों का पालन करें।

– धूम्रपान और शराब का सेवन कम करेंरू इन आदतों से दिल की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मिनी हार्ट अटैक के लक्षणों को पहचानना और समय पर उपचार लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगर आपको इन लक्षणों में से कोई भी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें और अपनी सेहत पर ध्यान दें। मिनी हार्ट अटैक की स्थिति को गंभीरता से लेकर उचित कदम उठाना, आपके दिल की सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है।

## दिनभर फोन चलाने से शरीर का हो रहा बुरा हाल! महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को अलर्ट रहने की जरूरत

इन दिनों दुनिया भर में मोबाइल फोन और गैजेट्स इस कदर इंसान पर हावी हो गए हैं कि वह इसके बिना जिंदगी जीना ही भूल गया है। कुछ लोग तो अपने मोबाइल के बीना एक पल भी नहीं रह सकते हैं। इस बात से कोई भी अंजान नहीं है कि ये सब चीजें हमें किस कदर नुकसान पहुंचा रही हैं बावजूद इसके हम गैजेट्स से दूरी बनाने की सोच भी नहीं सकते हैं। अब हाल ही में वैज्ञानिकों ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है।

ज्यादा स्क्रीन देखने की आदत खतरनाक

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि कम उम्र या 20 साल की आयु तक ज्यादा स्क्रीन देखने से दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल ऑफ जनरल इंटरनल मेडिसिन में यह शोध प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने 4318 युवा वयस्कों पर अध्ययन किया। इसमें पता चला कि उन लोगों में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक है, जिन्होंने 20 साल की उम्र में मोबाइल या टीवी देखने में बहुत समय बिताया था।

पुरुषों के लिए ज्यादा खतरा

अध्ययन में कुल 54.9 फीसदी महिलाएं और 45.1 पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा अधिक सीवीडी के खतरे देखे गए। उनमें दिल के दौरे पड़ने की संभावना 50 फीसदी और स्ट्रोक की 56 फीसदी स्थिति पाई गई। साथ ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह से पीड़ित नजर आए। शोध के दौरान यह भी देखा गया कि स्क्रीन टाइम सिर्फ युवास्था में खतरनाक नहीं था, बल्कि 30 वर्ष के आयु पर भी असर देखा गया।

शारीरिक गतिविधियों में हो रही कमी

अध्ययन के दौरान पाया कि जिन लोगों ने अधिक समय तक टीवी या मोबाइल देखा, उनमें हर अतिरिक्त घंटे में हृदय रोग विकसित होने की संभावना 26: अधिक थी। लगातार लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना, खासकर कंप्यूटर, स्मार्टफोन, या टेलीविजन के सामने, शारीरिक गतिविधियों में कमी और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों को जन्म दे सकता है। ज्यादा स्क्रीन टाइम का मतलब है कि आप शारीरिक रूप से कम एक्टिव रहते हैं। कम गतिविधि से शरीर में कैलोरी बर्न नहीं होती, जिससे वजन बढ़ सकता है। बढ़ा हुआ वजन और मोटापा दिल की बीमारियों के प्रमुख कारणों में से एक हैं।

स्ट्रेस और एंग्जाइटी

लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से मानसिक तनाव और एंग्जाइटी का स्तर बढ़ सकता है। यह स्ट्रेस हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, जो हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ाता है। स्क्रीन टाइम के दौरान अक्सर लोग अनहेल्दी स्नैक्स का सेवन करते हैं, जैसे जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ, आदि। ये आदतें दिल की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं, खासकर अगर यह नियमित हो जाए।

नींद की कमी

ज्यादा स्क्रीन टाइम, खासकर सोने से पहले, नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। खराब नींद और अनियमित नींद दिल की समस्याओं का कारण बन सकती है। लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठकर स्क्रीन देखने से ब्लड सर्कुलेशन पर असर पड़ता है। यह स्थिति थ्रोम्बोसिस (रक्त के थक्के जमना) जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है, जो दिल के लिए खतरनाक हो सकती है।

कैसे करें बचाव

–हर 30–60 मिनट के बाद स्क्रीन से ब्रेक लें और थोड़ी देर के लिए चलें।

–रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करें, जैसे वॉकिंग, जॉगिंग, या योग।

–स्क्रीन टाइम के दौरान हेल्दी स्नैक्स का सेवन करें, जैसे फल, नट्स, या सलाद।

–कोशिश करें कि स्क्रीन के सामने बिताया गया समय सीमित हो। खासकर सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग न करें।

–अपने दिल की सेहत को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से हेल्थ चेकअप कराएं।

## कहीं आप भी मनी प्लान्ट लगाते समय करते हैं ये गलतियां, ग्रोथ से पहले ही खत्म हो जाएगा प्लांट

अब हर घर में मनी प्लांट का पौधा जरुर लगा रहता है। यह खूबसूरती के साथ ही घर में बरकत भी करता है। मनी प्लांट को डेकोरेशन के साथ ही वास्तु के चलते भी इसे घर में लगाना पसंद करते हैं।

क्या आप जानते हैं कि मनी प्लांट लगाने के दौरान और प्लांटेशन के बाद इसकी देखरेख पर ध्यान देना बेहद जरुरी है। अगर आप इन बातों को ध्यान रखेंगे कि तो आपका मनी प्लांट को बेहतर ग्रोथ मिलेगा। अगर ध्यान नहीं रखेंगे तो इसकी बेल सूखकर खत्म हो जाएगी। यह लोकप्रिय प्लांट हर घर में जरुर लगा रहता है क्योंकि इसे धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मनी प्लांट लगाने में कुछ गलतियां होती है जिस वजह से पौधा सही रुप से विकसित नहीं हो पाता।

मनी प्लांट लगाने में होने वाली गलतियां

ज्यादा पानी देना

वैसे मनी प्लांट को ज्यादा पानी की जरुरत नहीं होती है। अगर आप इसे ज्यादा पानी देंगे तो मनी प्लांट की जड़े सड़ जाएगी और पौधा मर जाएगा।

समाधान – मिट्टी को हमेशा थोड़ी सी नम रखें। अगर मिट्टी सूखी हो तभी पौधे को पानी दें।

कम रोशनी

आपको बता दें कि, मनी प्लांट को उजाले की जरुरत होती है, लेकिन इसे सीधे धूप से बचाएं। वहीं, कम रोशनी में मनी प्लांट की पत्तियां पीली पड़ जाती है और पौधा कमजोर हो जाता है।

समाधान – मनी प्लांट को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त अप्रत्यक्ष सूर्य का प्रकाश मिले।

गलत मिट्टी का चयन

मनी प्लांट को सबसे अच्छी और जल निकास वाली मिट्टी का जरुरत होती है। भारी मिट्टी से पानी रुक जाता है जिसके बाद जड़े सड़ जाती है।

समाधान – आप बाजार में मौजूद तैयार मिट्टी का मिश्रण खरीद सकते हैं या घर पर ही मिट्टी, रेत और खाद मिलाकर तैयार कर सकते हैं।

पोषण भी जरुरी

अगर आप मनी प्लांट को सही समय पर उर्वरक नहीं देते

हैं तो पौधा मुरझा जाता है। खासकर सर्दियों के मौसम में खाद जरुरी है।

समाधान – बाजार में उपलब्ध तरल उर्वरक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ठंडा तापमान

कभी भी मनी प्लांट को ठंडा तापमन नहीं रखें। ज्यादा ठंडे मौसम में पौधे की पत्तियां गिर जाती है।

समाधान– पौधे को ठंडी हवा और ड्राफ्ट से दूर रखें।

## संक्षिप्त

### 'भारत के लिए वेकअप कॉल', ट्रंप के टैरिफ पर बोले RBI के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका–भारत संबंधों के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने इसे भारत सरकार के लिए एक चेतावनी बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत से आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत तक करने का निर्णय बुधवार को पूर्व निर्धारित तिथि से प्रभावी हो गया, जिससे दो शक्तिशाली लोकतंत्रों के बीच संबंधों को गंभीर झटका लगा है, जो हाल के दशकों में रणनीतिक साझेदार बन गए थे। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ, दक्षिण एशियाई देश से कई आयातों पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ के साथ जोड़ा गया। गुरुवार को इंडिया टुडे टीवी के साथ एक साक्षात्कार में, रघुराम राजन ने आशंका जताई कि अमेरिका के इस कदम से विशेष रूप से झींगा किसानों और कपड़ा निर्माताओं जैसे छोटे निर्यातकों को नुकसान पहुँच सकता है, जिससे उनकी आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है। भारत के खिलाफ वाशिंगटन के भारी टैरिफ की पृष्ठभूमि में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हमें यह पूछने की जरूरत है कि किसे फायदा होता है और किसे नुकसान होता है। रिफाइनर अत्यधिक लाभ कमा रहे हैं, लेकिन निर्यातकों को टैरिफ के माध्यम से कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि अगर लाभ ज़्यादा नहीं है, तो शायद यह विचार करने लायक है कि क्या हमें ये ख़रीद जारी रखनी चाहिए। उन्होंने टैरिफ़ को बेहद चिंताजनक बताया और नई दिल्ली के लिए किसी एक व्यापारिक साझेदार पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एक स्पष्ट चेतावनी बताया। राजन ने चेतावनी दी कि आज की वैश्विक व्यवस्था में व्यापार, निवेश और वित्त का इस्तेमाल तेज़ी से हथियार के तौर पर किया जा रहा है और भारत को सावधानी से क़दम उठाने चाहिए। ट्रम्प प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए भारत पर भारी टैरिफ लगाया है, जबकि रूसी तेल का शीर्ष आयातक चीन और यूरोप, जो मॉस्को से पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति खरीदता रहा है, ने वाशिंगटन के ऐसे उपायों से परहेज किया है।

### निर्यातकों की मदद के लिए केंद्र उठा रहा कदम, बढ़े हुए अमेरिकी टैरिफ के बीच सरकार का दावा

नई दिल्ली। सरकार से जुड़े अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लागू करने के बाद देश के निर्यातकों को होने वाली परेशानियों पर प्रतिक्रिया दी है। एक अधिकारी ने कहा है कि सरकार बढ़े हुए टैरिफ के कारण निर्यातकों के सामने आ रही रही समस्याओं को समझती है और उनकी मदद के लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी सूत्र ने कहा कि निर्यात में विविधता लाने से निर्यातकों को लंबे समय में व्यापार की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। निर्यातकों की मदद के लिए सरकार की ओर से निर्यात संवर्धन मिशन को जल्दी से जल्दी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह प्रतिक्रिया निर्यातकों की ओर से नकदी के मोर्चे पर मदद मांगने के बाद आई है। सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा फिलहाल विचाराधीन है। अधिकार के अनुसार, सरकार को उम्मीद है कि प्रस्तावित भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द ही बातचीत शुरू हो जाएगी, नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, ष्यह सर्वविदित है कि 50: टैरिफ व्यापार को प्रभावित करेंगे। अल्पावधि में कपड़ा, रसायन और मशीनरी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ेगा, लेकिन यह बहुत दीर्घकालिक नुकसान नहीं होगा। उद्योग चिंतित है; वे लगातार अपने ज्ञापन भेज रहे हैं। उद्योग ने बताया है कि अल्पावधि में, उनके ऑर्डर कम हो जाएंगे और उन्हें नकदी की कमी का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अपना परिचालन चलाने के लिए वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ेगा। वे अल्पावधि में इस नकदी संकट से निपटने में मदद के लिए सरकार को पत्र लिख रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि उनके सुझावों को लागू करने का सबसे अच्छा तरीका निर्धारित करने के लिए सकारात्मक कार्य चल रहा है। उनके सुझाव सरकार के एजेंडे में हैं। हम निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को जल्द से जल्द लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि यह उद्योग को कुछ प्रोत्साहन और समर्थन दे सके। हमें लचीली आपूर्ति शृंखलाएं बनाने की आवश्यकता है, चाहे वे निर्यात आपूर्ति शृंखलाएं हों या आयात आपूर्ति शृंखलाएं। अधिकारी ने कहा, ष्हर चुनौती या संकट एक नया अवसर होता है। इसलिए यह उद्योग के लिए एक चेतावनी है। सरकारों, सभी से यह देखने का आग्रह है कि हम अपने निर्यात में विविधता कैसे ला सकते हैं।

### एकजुट रहने की जरूरत, धौंस–धमकी के खिलाफ खड़ा होना होगा, टैरिफ पर बोले मारुति के चेयरमैन भार्गव

नई दिल्ली। भारत को भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ से निपटने के लिए एकजुट होने और किसी भी तरह की धौंस या धमकी के सामने डट कर खड़े होने की जरूरत है। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने गुरुवार को यह बात कही। कंपनी की 44वीं वार्षिक आम बैठक में भार्गव ने कहा, भारतीय होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी गरिमा और सम्मान को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हम टैरिफ मामले में किसी भी प्रकार की धौंस–धमकी के आगे न झुकें... राष्ट्र को एकजुट होना होगा। भारत से आने वाले वस्तुओं पर अमेरिका का 50 प्रतिशत टैरिफ बुधवार से प्रभावी हो गया। इससे झींगा, परिधान, हीरे, चमड़ा और जूते, रत्न और आभूषण जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों में निर्यात और रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा। भार्गव ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से वैश्विक स्तर पर बाजारों में उथल–पुथल मच गई है। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों से कहा, आप सभी हाल के महीनों में पैदा हुई वैश्विक अनिश्चितता से वाकिफ हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई मायनों में देशों को पारंपरिक नीतियों और रिश्तों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है।

# 'भारत कभी नहीं जीतेगा', पूर्व चयनकर्ता की बात सुनकर खौल उठेगा खून; चौंकाने वाला दावा किया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एशिया कप से पहले भारतीय टीम की चयन नीति पर सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि मौजूदा टीम एशिया कप तो जीत सकती है, लेकिन इसी स्क्वॉड के साथ भारत का 2026 टी20 विश्व कप जीतना मुश्किल है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन पर उठाए सवाल

एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से होगी जबकि फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में 15 सदस्यीय टीम का एलान किया था। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में यह टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी। वहीं, शुभमन गिल भी यह टूर्नामेंट खेलते दिखेंगे। उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम में चार विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं, जबकि चार ऑलराउंडर्स हैं। जितेश और सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जबकि तीन विशेषज्ञ पेसर और दो विशेषज्ञ स्पिनर्स हैं। अगले साल टी20 विश्व कप होना है। उससे पहले टीम इंडिया लगभग 20 टी20 मैच खेलेगी। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्हम एशिया कप इस टीम के साथ जीत सकते हैं, लेकिन विश्व कप? कोई चांस नहीं। क्या आप इसी टीम को वर्ल्ड कप में ले जाना चाहते हैं? विश्व कप के लिए तैयारी कहां है, जबकि टूर्नामेंट सिर्फ छह महीने दूर है।श

रिंकू, शिवम और हर्षित के चयन से नाखुश श्रीकांत

टीम में सबसे बड़ी चर्चा शुभमन गिल की उपकप्तान के रूप में वापसी को लेकर है। गिल ने जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब उन्हें सूर्यकुमार यादव का डिप्टी बनाया गया है। वहीं, इंग्लैंड सीरीज में उपकप्तान रहे अक्षर पटेल को इस जिम्मेदारी से हटा दिया गया है। श्रीकांत इस फैसले से सहमत नहीं दिखे। चयनकर्ताओं ने रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को जगह दी है, जबकि श्रीकांत इन चुनावों से खुश नहीं हैं। रिंकू ने आईपीएल 2025 में सिर्फ 206 रन बनाए थे, वहीं शिवम

दुबे ने 357 रन जरूर बनाए लेकिन उनके प्रदर्शन को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अभी तक सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला है। उन्हें पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह दी गई है। श्रीकांत के मुताबिक, खिलाड़ियों का चयन हालिया प्रदर्शन पर नहीं बल्कि पुराने आंकड़ों पर किया गया है। उन्होंने कहा, श्वे पीछे चले गए हैं। अक्षर पटेल को उपकप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा कैसे टीम में आ गए। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है, लेकिन लगता है चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है।श

पांचवें स्थान पर कौन करेगा बल्लेबाजी?

इस दौरान पूर्व चयनकर्ता ने यह भी पूछा कि टीम में आखिरकार नंबर पांच पर कौन बल्लेबाजी करेगा। उनके मुताबिक, इस स्थान के लिए संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह को आजमाना होगा। सामान्य तौर पर यह जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या निभाते हैं, लेकिन अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी करने पर टीम की गहराई पर असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा, श्पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर नहीं आ सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने दुबे को कैसे चुना। यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वो क्या करते हैं?श श्रीकांत ने साथ ही यशस्वी जायसवाल को बाहर रखने पर भी नाराजगी जताई और कहा कि उन्हें दुबे की जगह टीम में जगह मिलनी चाहिए थी।

# आईपीएल से संन्यास के बाद इस विदेशी लीग में खेलते नजर आ सकते हैं अश्विन, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल से संन्यास का एलान कर सभी को चौंका दिया। अब खबर आ रही है कि दिग्गज खिलाड़ी को इंग्लैंड की फ्रेंचाइजी लीग द हंड्रेड में खेलते देखा जा सकता है। बता दें कि, अश्विन आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते थे। आईपीएल 2025 की नीलामी में फ्रेंचाइजी ने उन्हें 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

द हंड्रेड में नजर आ सकते हैं अश्विन

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नियमों के अनुसार, कोई भी सक्रिय भारतीय घरेलू खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा नहीं ले सकता। लेकिन आईपीएल से हटने के बाद खिलाड़ियों के लिए रास्ता खुल जाता है। हाल ही में दिनेश कार्तिक ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में खेला था। टेलीग्राफ स्पोर्ट के अनुसार, अश्विन द हंड्रेड में खेलते नजर आ सकते हैं।

अश्विन ने सोशल मीडिया पर दी संन्यास की जानकारी

अश्विन ने ट्वीट में लिखा, श्आज एक खास दिन है और इसलिए एक खास शुरुआत भी। कहा जाता है कि हर अंत एक नई शुरुआत लेकर आता है। मेरा समय बतौर आईपीएल क्रिकेटर आज समाप्त हो रहा है, लेकिन दुनिया भर की अलग–अलग लीगों में खेल के नए अनुभवों का मेरा सफर आज से शुरू हो रहा है। मैं सभी फ्रेंचाइजियों का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे बेहतरीन यादें और रिश्ते दिए। सबसे अहम तौर पर मैं आईपीएल और बीसीसीआई का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अब तक मुझे इतना कुछ दिया। आगे आने वाले समय का पूरा आनंद लेने और उसका सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए उत्साहित हूं।श

अश्विन आईपीएल में सीएसके के अलावा राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा रहे। वह पंजाब टीम की कमान भी संभाल चुके हैं। अश्विन ने आईपीएल में 220 मैचों में 187 विकेट लिए। उनका इकोनॉमी रेट 7.2 का रहा। 34 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा उन्होंने 118.16 के स्ट्राइक रेट से 833 रन भी बनाए।

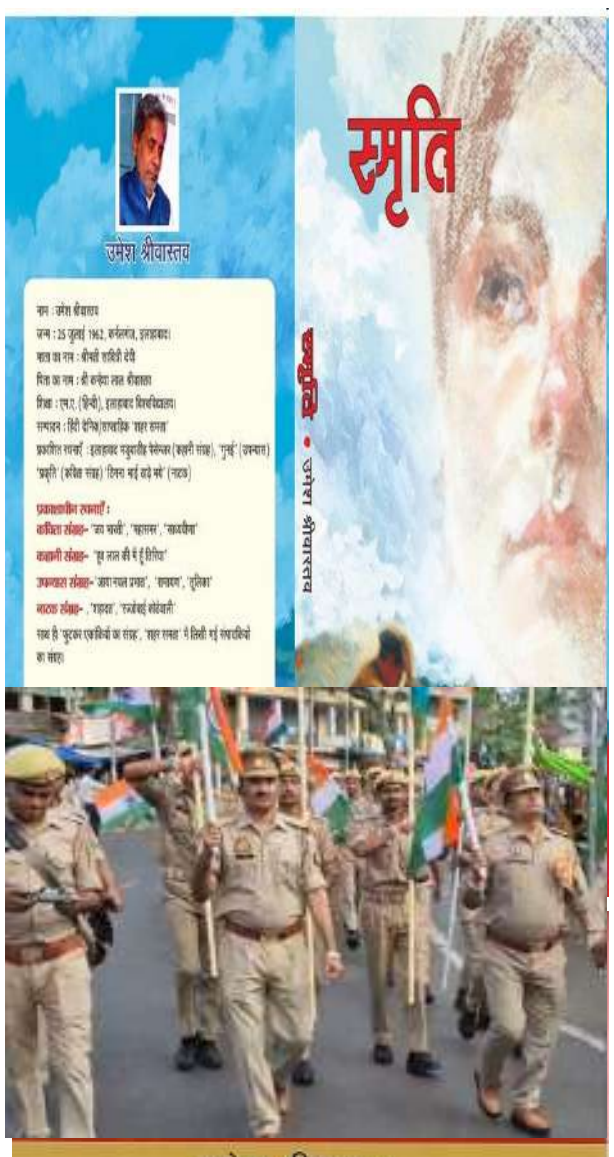


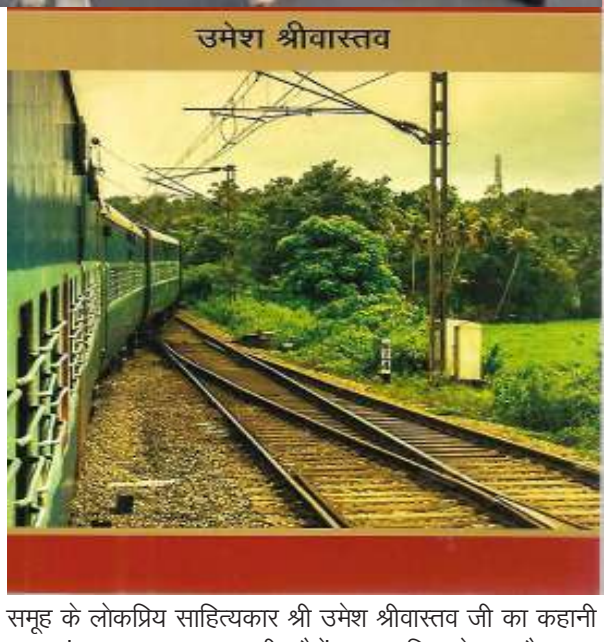


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

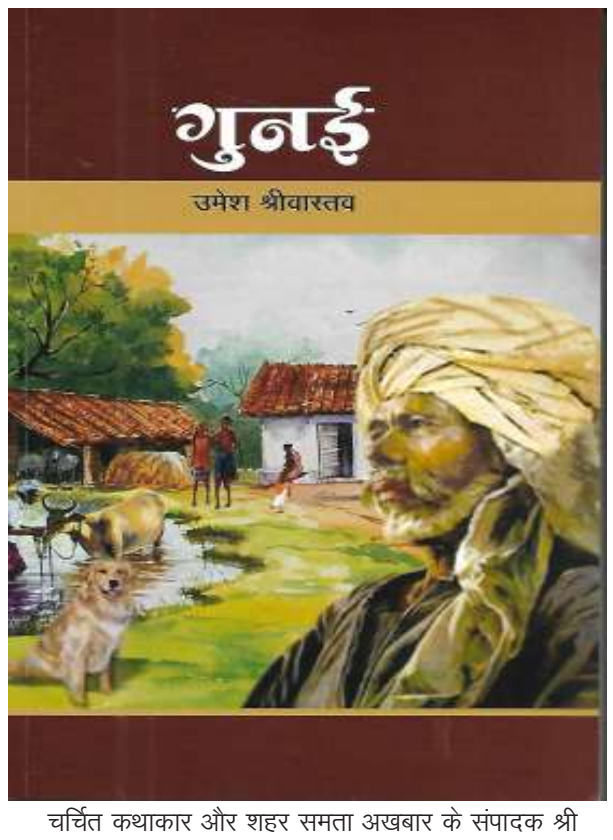


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

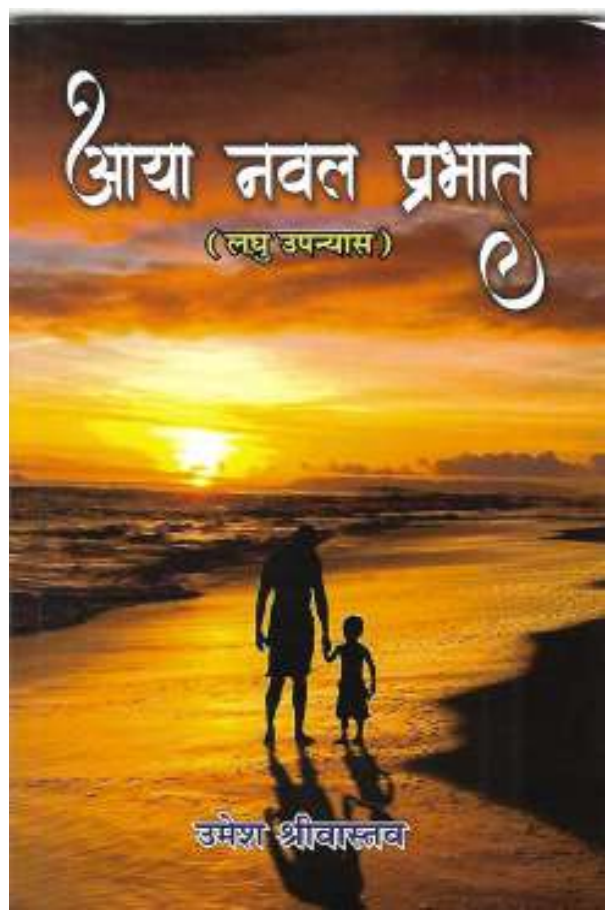


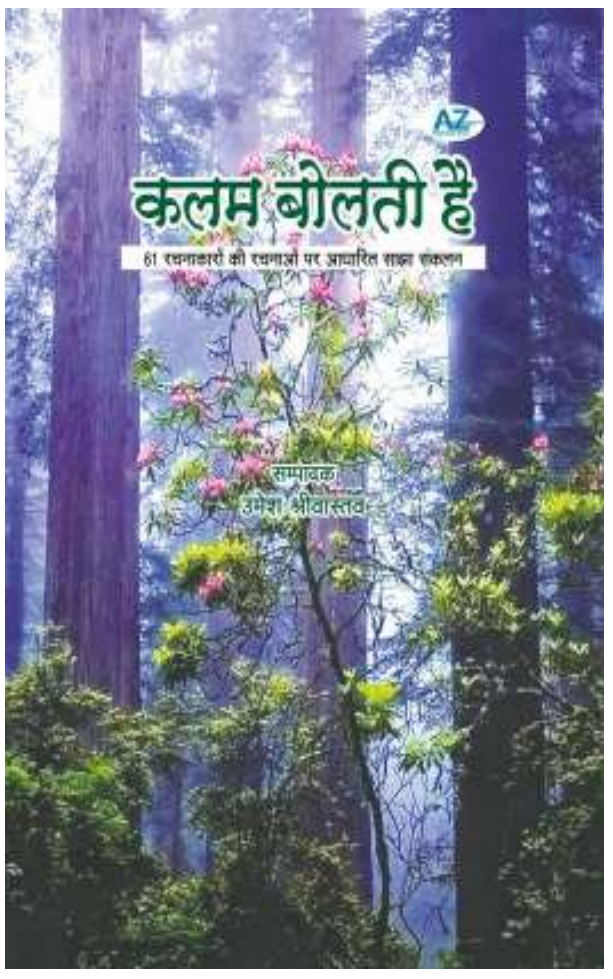


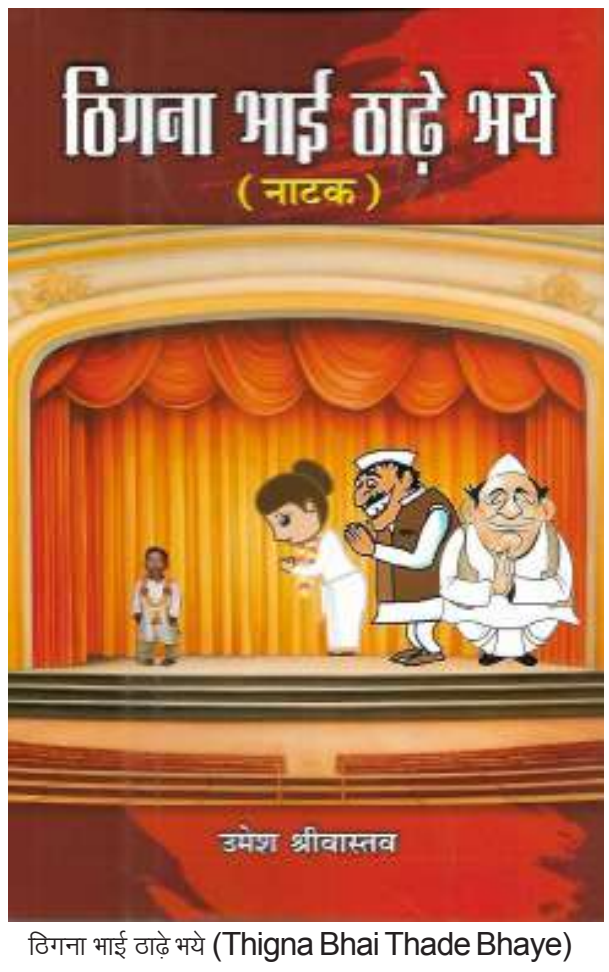


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन ने स्टील डोम वायु रक्षा प्रणाली का अनावरण किया

तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने बुधवार को औपचारिक रूप से देश की एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली का उद्घाटन किया, जिसे ''स्टील डोम'' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने देश और उसके रक्षा उद्योग के लिए इसे एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। एर्दोआन ने अंकारा में रक्षा कंपनी



असेलसन के संयंत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ये प्रणालियां तुर्किये की शक्ति का प्रदर्शन हैं। वायु रक्षा के क्षेत्र में हम अपने देश के लिए एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। एर्दोआन की सरकार ने पिछले साल अगस्त में ''स्टील डोम'' के विकास की शुरुआत की घोषणा की थी। यह तुर्किये के आसमान की सुरक्षा के लिए समुद्र–आधारित और भूमि–आधारित वायु रक्षा प्लेटफॉर्म और सेंसर को एक नेटवर्क में एकीकृत करता है। एर्दोआन ने कहा कि परियोजना के नवीनतम चरण में 46 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के 47 वाहन शामिल हैं जो हमारे मित्रों में विश्वास और हमारे शत्रुओं में भय पैदा करेंगे। सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह प्रणाली पूरी तरह से कब चालू होगी।

### रूस ने कीव में ड्रोन और मिसाइल से बड़ा हमला किया, तीन लोगों की मौत और 24 से ज्यादा घायल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लाख कोशिशों के बाद भी रूस और यूक्रेन के बीच की जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। ट्रंप ने रूस के साथ तेल खरीदने पर टैरिफ लगा दिया लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म होने जैसी उम्मीद नहीं दिखाई दे रही हैं। ताजा जानकारी के अनुसार रूस ने बृहस्पतिवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और 24 अन्य घायल हो गए। स्थानीय प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। कीव के शहरी प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने प्रारंभिक सूचना के हवाले से बताया कि मृतकों में 14 वर्षीय लड़की भी शामिल है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। त्काचेंको ने बताया कि डार्नित्स्की प्रांत में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर सीधा हमला हुआ। उन्होंने कहा, ''सबकुछ नष्ट हो गया है।'' मध्य कीव में हमले के कारण एक प्रमुख सड़क पर टूटे हुए कांच के टुकड़े बिखर गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच यूक्रेन में तीन साल से जारी युद्ध को खत्म करने पर चर्चा के लिए इस महीने की शुरुआत में हुई बैठक के बाद बृहस्पतिवार को हुआ हमला कीव पर रूस द्वारा किया गया पहला बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला है। हालांकि, उस बैठक के तुरंत बाद युद्ध समाप्त करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों में तेजी आई, लेकिन अगले कदमों के बारे में बहुत कम जानकारी सामने आई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उम्मीद जतायी है कि अगर पुतिन युद्ध समाप्त करने के प्रति गंभीरता नहीं दिखाते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के लिए अमेरिका और कड़े प्रतिबंध लगाएगा।

### इस्लाम खत्म न हुआ तो बेटियों का रेप.. .रिपब्लिकन नेता ने कैमरे के सामने जलाया कुरान, फिर मच गया तूफान

दक्षिणपंथी MAGA कांग्रेस उम्मीदवार वैलेंटिना गोमेज़ के एक वीडियो ने खलबली मचा दी है। गोमेज़ इस्लाम के पवित्र ग्रंथ कुरान को आग फेंकने वाले हथियार से आग लगाती नजर आईं। उनके इस कदम की व्यापक निंदा हुई है। 2026 में टेक्सास के 31वें ज़िले के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहीं गोमेज़ ने लोन स्टार राज्य में इस्लाम को ख़त्म करने के अपने संकल्प के तहत एक्स पर यह क्लिप शेयर की। टेक्सास की आबादी में



मुसलमानों की संख्या लगभग एक प्रतिशत है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, गोमेज़ ने बार–बार मुसलमानों, एलजीबीटीक्यू+ समुदाय, अश्वेत लोगों और आप्रवासियों को निशाना बनाते हुए हिंसक स्टंट और घृणित बयानबाजी की है, जिसके बारे में आलोचकों का कहना है कि यह कुख्याति हासिल करने और संघर्षरत राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास है। गोमेज़ ने कुरान को जलाने से पहले कहा कि अगर हम इस्लाम को हमेशा के लिए बंद नहीं कर देते, तो आपकी बेटियों के साथ बलात्कार किया जाएगा और आपके बेटों का सिर काट दिया जाएगा।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227


# 'यह मोदी का युद्ध', रूस–यूक्रेन संघर्ष में भारत कर रहा है पुतिन को सपोर्ट! ट्रंप के सलाहकार का भारत पर बड़ा आरोप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने गुरुवार को भारत की आलोचना को और तीखा कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर यूक्रेन में रियायती तेल खरीद के ज़रिए रूस के युद्ध को हवा देने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि मॉस्को और बीजिंग के साथ भारत के बढ़ते आर्थिक संबंध वैश्विक स्थिरता को कमज़ोर कर रहे हैं। ब्लूमबर्ग के साथ एक साक्षात्कार में, नवारो ने भारत पर व्यापार और ऊर्जा के मामले में दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया और कहा कि उसके ये कदम ष्मोदी के युद्धष के समान हैं। ब्लूमबर्ग टेलीविज़न के श्बैलेंस ऑफ़ पावरश के साथ एक साक्षात्कार में, व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत द्वारा प्रभावित संघर्ष का ज़िक्र करते हुए कहा कि शांति का रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया 50ः टैरिफ बुधवार से लागू हो गया है – यह कदम पश्चिमी दबाव के बावजूद रूसी कच्चे तेल की निरंतर खरीद के लिए भारत को दंडित करने के लिए उठाया गया है।

रियायती दरों पर तेल खरीद पर आरोप

उन्होंने दावा किया कि रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल खरीदकर भारत रूस की मदद कर रहा है और अमेरिका को नुकसान पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे वाशिंगटन को यूक्रेन को वित्तपोषित करना पड़ रहा है जबकि अमेरिकी आर्थिक रूप से पीड़ित हैं। नवारो ने कहा, भारत जो कर रहा है, उससे अमेरिका में हर कोई नुकसान उठा रहा है। उपभोक्ता, व्यवसाय, श्रमिक, सभी को नुकसान हो रहा है क्योंकि भारत



के उच्च टैरिफ के कारण हमारी नौकरियाँ, कारखाने, आय और उच्च वेतन खत्म हो रहे हैं। और फिर करदाताओं को नुकसान हो रहा है, क्योंकि हमें मोदी के युद्ध का वित्तपोषण करना है।

भारत के विरुद्ध अमेरिकी टैरिफ पर

50 प्रतिशत टैरिफ, जो एशिया में सबसे अधिक पारस्परिक शुल्कों में से एक है, भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजार, अमेरिका को भेजे जाने वाले 55 प्रतिशत से अधिक सामानों को प्रभावित करेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स को फिलहाल छूट दी गई है, लेकिन कपड़ा और आभूषण जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों पर इसका गहरा असर पड़ेगा। टैरिफ वृद्धि वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच महीनों तक चली अनिर्णायक वार्ता के बाद हुई है। भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी संरक्षणवादी उपायों, विशेष रूप से कृषि, जो देश के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और जो एक प्रमुख मतदाता समूह हैं, पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

भारत के रुख पर नवारो की तीखी टिप्पणी

नवारो ने कहा, ष्मुझे जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि भारतीय इस मामले में बहुत अहंकारी हैं। वे कहते हैं, श्अरे, हमारे यहाँ ज़्यादा टैरिफ नहीं हैं। अरे, यह हमारी संप्रभुता है। हम जिससे चाहें तेल खरीद सकते हैं।श

भारत–अमेरिका टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल की लगातार खरीद के लिए भारत की आलोचना की है, और नवारो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी इस बात को पुष्ट किया है, जिन्होंने भारत के सबसे धनी परिवारों पर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। हालांकि रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध नहीं है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति बनाए रखते हुए क्रेमलिन के राजस्व को सीमित करने के लिए 2022 में जी–7 देशों द्वारा 60 डॉलर प्रति बैरल की कीमत सीमा लगाने के बाद अमेरिका ने चुपचाप खरीद को प्रोत्साहित किया। भारत, जो ऐतिहासिक रूप से मध्य पूर्वी कच्चे तेल पर निर्भर रहा है, ने घरेलू ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए रूसी तेल खरीदना शुरू कर दिया। नई दिल्ली ने इन संबंधों का बचाव किया है और वाशिंगटन के कार्यों को ष्अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्णष करार दिया है। हालाँकि भारत ने अपने आयातों में कमी की है, लेकिन उन्हें रोका नहीं है। चीन समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, फिर भी ट्रम्प प्रशासन ने चल रही व्यापार वार्ताओं के बीच बीजिंग के प्रति नरम रुख अपनाया है। दोनों देशों ने 90 दिनों के टैरिफ युद्धविराम को बढ़ा दिया है, जिसके तहत कुछ आयात करों को वापस ले लिया गया है और दुर्लभ–पृथ्वी चुम्बकों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर निर्यात प्रतिबंधों में ढील दी गई है।

### नेपाल के बीरगंज जिले में हैजा फैला, तीन की मौत और 300 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती

बीरगंज। नेपाल के बीरगंज जिले में हैजा फैल गया है। बीते हफ्ते से जिले में हैजा के कई मामले सामने आए हैं और स्थिति इस कदर खराब है कि तीन लोगों की हैजा से मौत हो गई है और 300 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। नेपाल का बीरगंज जिला सीमावर्ती इलाका है और लंबे समय से सूखे की चपेट में



है। हैजा फैलने की वजह भी सूखे को माना जा रहा है।

नेपाल में मानसून के मौसम में फैलती हैं बीमारियां

बीरगंज जिले के नारायणी अस्पताल के डॉक्टर उदय नारायण सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार से हैजा के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लोग डायरिया की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। कई मरीजों की जांच में उन्हें कोलेरा का संक्रमण मिला है। कोलेरा से ही हैजा की बीमारी होती है। नारायणी अस्पताल में ही कई वार्ड हैजा के मरीजों से भरे हैं। नेपाल में मानसून के मौसम में पानी और खाने संबंधी जनित बीमारियां बहुत फैलती हैं। इनमें हैजा भी प्रमुख है। हर साल हजारों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हैजा को एक वैश्विक संकट मानता है।

हैजा से हो सकती है मौत

हैजा एक संक्रमणकारी बीमारी है, जिससे संक्रमित मरीजों में उल्टी, दस्त की समस्या होती है, जिससे मरीज के शरीर में पानी की कमी हो जाती है और अगर मरीज को तुरंत इलाज न मिले तो कुछ ही घंटे में मरीज की मौत भी हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बीरगंज में जो हैजा फैला है, उससे पहले साल 2009 में नेपाल के जाजरकोट जिले में भी ऐसे ही हालात थे। जाजरकोट में भी हैजा से कई लोगों की मौत हुई थी।

# तुरंत वापल लो टैरिफ, भारत पर 50प्रतिशत ड्यूटी से भड़क गया नाटो

डोनाल्ड ट्रंप का वो फैसला जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। भारत पर लगाया गया 50 : का टैरिफ अब लागू हो चुका है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाया पहले 25 : फिर 50 :, ट्रंप के इस फैसले के खिलाफ नाटो देश भड़क उठा है। नाटो गुट के एडवाइजर से लेकर फिजी की प्रधानमंत्री तक तरफ से ट्रंप को घेरा जा रहा है। ट्रंप से टैरिफ वापस लेने की मांग की जा रही है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने पहले भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। लेकिन रूस से तेल खरीदने के नाम पर उन्होंने बहाना बनाया और इसे बढ़ाकर 50 : कर दिया। भारत से अमेरिका को जाने वाले टेक्सटाइल, स्टील और ऑटो पार्ट्स और आईटी हार्डवेयर पर इसका सीधा असर होगा। भारत अमेरिका के बीच सालाना 200 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। ऐसे में 50 प्रतिशत का टैरिफ दोनों देशों की कंपनियों और आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ा



झटका है। यानी अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी और भारत के उद्योगों को बड़ा नुकसान होगा। इस बीच नाटो की एडवाइजर क्रिस्टल कौल ने खुलकर ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध पिछले ढाई दशक की मेहनत से बने हैं। इसमें ट्रंप का पहला राष्ट्रपति कार्यकाल भी शामिल है। लेकिन अब ये संबंध संकट में हैं। क्रिस्टल कौन ने कहा कि ट्रंप का 50 प्रतिशत का टैरिफ सीधा व्यापार जगत को प्रभावित करेगा। अगर से फैसला वापस नहीं लिया गया तो भारत और अमेरिका के रिश्तों को पटरी पर आने में कई साल लग जाएंगे। व्यापार अनुमानों के अनुसार, इस कदम से कम से कम 45,000 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा, जिसमें बंगाल सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है। हालाँकि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में सहयोगियों और प्रतिस्पर्धियों, दोनों पर नए शुल्क लगाए हैं, भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत का स्तर अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के लिए सबसे ज़्यादा शुल्कों में से एक है। 2024 में 87.3 अरब डॉलर के निर्यात के साथ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य था। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की पृष्ठभूमि में फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी लिगामामादा राबुका ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि हो सकता है कोई व्यक्ति आपसे बहुत खुश नहीं है लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि उन असहज स्थितियों को झेल सकते हैं। राबुका ने यहां सप्रू हाउस में भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित शांति का महासागर विषय पर व्याख्यान देने के बाद श्रोताओं के साथ बातचीत में मोदी के साथ अपनी वार्ता का ब्यौरा साझा किया। फिजी के प्रधानमंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे, जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ फिजी के संबंधों को मजबूत करना है। भारत और फिजी ने सोमवार को रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की और शांतिपूर्ण एवं समावेशी हिंद–प्रशांत के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति व्यक्त की।

# जापान को आँख दिखा रहा चीन! विजय परेड में पुतिन किम के साथ दिखाएंगे 'ताकत', ये 26 विश्व नेता करेंगे शिरकत

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अगले हफ़्ते बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक सैन्य परेड में शामिल होंगे। यह एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किम से मिलने की इच्छा जताए जाने के कुछ दिनों बाद हो



रही है, जो शायद ही कभी विदेश यात्राएँ करते हैं। इसके अलावा, व्हाइट हाउस यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। 3 सितंबर को चीन की षविजय दिवसष घ्परेड द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के औपचारिक आत्मसमर्पण और संघर्ष की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ का प्रतीक होगी। चीन इस समारोह को ''द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई'' बताता है। इस परेड में विदेशी नेताओं की मौजूदगी को लेकर जापान और चीन के बीच कूटनीतिक तनातनी हो गई है, क्योंकि तोक्यो ने विश्व नेताओं से इस आयोजन में शामिल न होने की अपील की थी। उसका कहना है कि इसमें ''जापान–विरोधी भावनाएं'' झलकती हैं। चीन ने जापान के इस अनुरोध पर नाराजगी जताते हुए कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है। चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने बृहस्पतिवार को यहां घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के आमंत्रण पर 26 विदेशी नेता विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन नेताओं में पुतिन और किम भी शामिल हैं। होंग ने कहा, ''तीन सितंबर को चीन एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन करेगा, जो चीनी जनता के जापानी आक्रमण के खिलाफ युद्ध और फासीवादी विरोधी विश्व युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित होगा।'' यह परेड 31 अगस्त और एक सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद बीजिंग में आयोजित होगी। पिछले हफ्ते, चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने बताया था कि 20 विश्व नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद तियानजिन में इस सम्मेलन में भाग लेंगे। चीन का प्रयास है कि एससीओ सम्मेलन में आए नेताओं को अपनी परेड में भी शामिल किया जाए। इसी से जापान नाराज है। जापानी समाचार एजेंसी 'क्योदो' ने मंगलवार को बताया कि जापान ने अपने विदेशी दूतावासों के माध्यम से अन्य देशों को संदेश दिया है कि चीन का यह आयोजन ''जापान–विरोधी भावनाएं'' दर्शाता है और नेताओं को भागीदारी पर सावधानी से विचार करना चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए जापान के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है। उसने कहा कि जापान अगर वास्तव में ऐतिहासिक मुद्दों को पीछे छोड़ना चाहता है, तो उसे अपने आक्रामक अतीत को स्वीकार करना चाहिए, सैन्यवाद से पूरी तरह किनारा करना चाहिए, शांतिपूर्ण विकास के मार्ग पर चलना चाहिए और चीन व अन्य पीड़ित देशों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह शामिल होंगे। चीन के सहायक विदेश मंत्री लियु बिन ने पहले बताया था कि भारतीय उपमहाद्वीप से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू इस सम्मेलन में भाग लेंगे।

### पुतिन, किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता चीन के विजय दिवस समारोह में होंगे शामिल, जापान ने जताई नाराजगी

बीजिंग। चीन ने गुरुवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता 3 सितंबर को चीन में आयोजित होने वाले विजय दिवस (विक्ट्री डे परेड) समारोह में शामिल होंगे।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध युद्ध में चीन की जीत के उपलक्ष्य में इस विजय दिवस परेड का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि इस विजय दिवस परेड को लेकर चीन और जापान में कूटनीतिक विवाद हो गया है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com


इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।